04 - कब्ज़े की संस्कृति में घिरता विश्व

05 - हिंदी साहित्य को विद्रोही स्वर प्रदान करने वाले कथाकार

A Daily News Magazine

इंदौर

शुक्रवार, 09 जनवरी, 2026

06 - धार में आयोजित होने वाले अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन...

07 - प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना से बदली कोसमी की भारती...

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 100, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

शारद की सुबह

अब आदमी की पहचान
उसकी धन-लिप्सा से
होती
अब आदमी की
पहचान
उसके पद से
होती है
अब आदमी की
पहचान
उसकी सत्ता की निकटता से
होती है
अब आदमी की
पहचान
उसकी बंदूक से
होती है
अब आदमी की

अब आदमी की
पहचान
उसकी झूठ बोलने की
कला से होती है ।

-दुर्गाप्रसाद झाला

प्रसंगवश

घृणा, झूठ, युद्ध का माहौल : अच्छाई का मार्केट इतना डाउन क्यों?

कुमार त्रिपाठी

दे श-दुनिया बुरे दौर से गुजर रही है। पिछला साल काल की लंबी डोर में कई गांठें लगा गया अच्छाई ने उन्हें खोलने की कोशिश की, कुछ गांठें खुलीं तो लेकिन कुछ और उलझ गईं। आशा की जाती है कि चंद दिनों पहले शुरू हुआ नव वर्ष नई गांठें नहीं लगने देगा और पुरानी कई गांठों को खोलेगा। आक्रामक राष्ट्रवाद की बुरी प्रवृत्तियों पर सवार होकर अमेरिकी राष्ट्रपति की सत्ता तक दोबारा पहुंचे डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया को अपने ढंग से हांकने की कोशिश की। चाहे अप्रवासियों को वापस उनके देश भेजने का सवाल हो या राष्ट्रहित और रूस और यूक्रेन युद्ध के बहाने भारत समेत दूसरे देशों पर सीमा शुल्क लगाने का मामला हो, मानव समुदाय के बड़े हिस्से के लिए तनाव और परेशानी का सबब बना। नागरिकता छीनने, शैक्षणिक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने के उपायों से अमेरिकी जनता भी बहुत परेशान हुई। उसने 'नो किंग्स प्रोटेस्ट' से न सिर्फ पूरे देश को झकझोर दिया बल्कि पूरी दुनिया को एक प्रेरणा भी दी कि बुराई भले सत्तासीन हो जाए लेकिन अच्छाई ने अभी तक हार नहीं मानी है। बुराई को चुनौती देते हुए प्रोफेसर महमूद ममदानी और मीरा नायर के बेटे जोहरान ममदानी ने न्यूयॉर्क के मेयर का चुनाव जीतकर उम्मीद की लौ को तेज भी किया है।

इस माहौल में चाहे अपना चुनावी वायदा पूरा करने के लिए या फिर नोबेल पुरस्कार पाने के लिए ही सही ट्रंप ने इस सदी के सबसे क्रूर युद्ध यानी इसराइल के फिलिस्तीन हमले पर विराम करवाया। लेकिन फिलिस्तीनियों को उनका हक नहीं दिलवाया। उल्टे हर किस्म के झूठ और भ्रष्टाचार में फंसे और बुराई के प्रतीक इसराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को उनके देश में बचाने के लिए भी हस्तक्षेप भी किया। लेकिन अच्छाई का प्रदर्शन करने का उनका प्रयास रूस और यूक्रेन युद्ध को रुकवाने में सफल नहीं हो सका। शायद इस असफलता की भरपाई करने के लिए वे निरंतर ऑपरेशन सिंदूर रुकवाने की सच्ची-झूठी रट लगाए हुए हैं।

ऐसे में बढ़ती बुराइयों के इस ज्वार के सामने अच्छाई के लिए रास्ता क्या है? क्या हम देश और दुनिया को किसी अच्छे रास्ते के इंतज़ार की सलाह दे सकते हैं? इंतज़ार करने वालों के लिए गांधी का एक कथन बड़ा मौजूं है:–'एक आदर्श रास्ते की खोज में हम दिनों दिन इंतजार करते रहते हैं। शायद वह अब मिलेगा। मगर हम यह भूल जाते हैं कि रास्ते चलने के लिए बनाए जाते हैं इंतजार के लिए नहीं।'

जाहिर सी बात है कि घृणा, झूठ, हिंसा और बुराई के इस माहौल में अच्छाई के लिए रुक कर इंतज़ार करने का कोई अर्थ नहीं बनता। यह सही है कि सोने और चांदी की तरह या डॉलर की तरह ही बुराई का मार्केट लगातार चढ़ता ही जा रहा है। उसकी धांधली उजागर होने के बावजूद उस पर न तो राज्य की संस्थाओं की तरफ़ से अंकुश लगाने का कोई प्रयास दिख रहा है और न ही समाज की ओर से। इसलिए व्यक्तिगत स्तर पर भी लोग अच्छाई का गौरवगान करने या उसे अपनाने से परहेज कर रहे हैं।

अगर आप भारत के विभाजन की कथा पढ़ेंगे तो पाएंगे कि पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना लगातार झूठ बोल रहे हैं। हालाँकि कांग्रेस के तमाम बड़े नेता चाहे पंडित जवाहर लाल नेहरू हों, सुभाष बाबू हों, मौलाना हों या स्वयं महात्मा गांधी हों, उनका शालीनता से जवाब देने की कोशिश कर रहे हैं। दूसरी ओर ब्रिटिश सरकार के अधिकारी भी यह स्वीकार कर रहे हैं कि मुस्लिम लीग के आरोप सही नहीं हैं। लेकिन जिन्ना और लीग लगातार ताकतवर होती जा रही है।

आज हम भारत में एक लीगी मानसिकता देख रहे हैं। मौजूदा समय में भारत में सत्तारूढ़ संगठन लगभग वैसे ही बहुसंख्यक समाज के उत्पीड़न और उसके हितों को हानि पहुँचाए जाने का आरोप लगा रहा है। एक चीनी कथन है कि शासक वर्ग अपनी सत्ता को चलाने के लिए थोड़ा बहुत झूठ बोलता है लेकिन ख़तरनाक स्थिति तब होती है जब वह झूठ में यक़ीन करने लगता है। लेकिन झूठ के बड़े बाजार के सौदागारों को कोई फर्क नहीं पड़ता। वे इसे अपनी प्रशंसा में ही देख रहे हैं।

ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि अच्छाई लाएं कहां से और उसे कैसे लोकप्रिय और शक्तिशाली बनाएं? यानी अच्छाई का मार्केट कैसे बढ़ाएं? अच्छाई धर्म से आएगी, राजनीति से आएगी, विज्ञान से आएगी, दर्शन से आएगी, अध्यात्म से आएगी या एआई से आएगी? इस सवाल ने मानवता को लंबे समय से बेचैन किया है और इसका उत्तर ढूँढने में ही तमाम लोग महापुरुष बन गए और दूसरी ओर अच्छाई के विरुद्ध बड़े-बड़े शैतान खड़े हो गए जिन्होंने कभी राष्ट्र के नाम पर, तो कभी धर्म के नाम पर, तो कभी जाति के नाम पर और कभी अपने सम्मान के नाम पर बुराइयों की बाढ़ ला दी है। तमाम लोग अच्छाई को प्राप्त करने के लिए धर्म को त्यागने की सुझाव देते हैं बल्कि उनका मानना है कि धर्म ही सारी बुराइयों की जड़ है। इस सुझाव में लोग आधे अधूरे मार्क्सवाद का सहारा लेते हैं तो उससे आगे विज्ञान की मदद लेते हैं।

विज्ञान ने मानवता को बहुत कुछ दिया है लेकिन विज्ञान ने जो गति दी है और जो कृत्रिम संसार निर्मित किया है उससे समाजशास्त्री, भाषा शास्त्री, इतिहासकार और बहुत सारे दार्शनिक भी चिंतित हैं। युआल नोवा हरारी तो नई संचार प्रौद्योगिकी और विशेषकर एआई को हमारी सभ्यता के भविष्य के लिए ख़तरा मानते हैं। इसलिए सवाल यह है कि पर्यावरण, प्रकृति और मानवता के अस्तित्व को ध्यान में रखते हुए विज्ञान के लिए कोई नैतिक मानदंड कैसे विकसित किया जाए? क्या अच्छाई मानव का आविष्कार है या प्रकृति में अच्छाई का कोई नियम है? कुछ विद्वान तो प्रकृति को संचालित करने वाले नियम 'ऋतु' को ही सत्य और उसी को ईश्वर की अवधारणा के समतुल्य मानते हैं।

लेकिन यह दौर बुराई की एकता और अच्छाई के बिखराव का है। अच्छे लोगों का अहंकार, उनका अलगाव और उससे उपजी हताशा हमारी सभ्यता के पतन के प्रमुख कारणों में है। ऐसे में अवध क्षेत्र के एक मनीषी स्वतंत्रता सेनानी और जनमोर्चा अख़बार के संस्थापक महात्मा हरगोविंद की यह बात मौजूं लगती है कि धर्म, राजनीति और विज्ञान यह सब अगर अच्छे हाथों में होंगे तो उनका अच्छाई के लिए इस्तेमाल होगा और अगर बुरे हाथों में होंगे तो उनका बुरा इस्तेमाल होगा। अच्छाई का मार्केट अप करने का शायद यही तरीका है।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

यूपी में कोहरे से

6 सड़क हादसे, 7 की मौत

एमपी में पारा 2.7 डिग्री, कोहरे से 12 ट्रेनें लेट, उत्तराखंड में तापमान -21 डिग्री दर्ज

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ (एजेंसी)। पहाड़ों पर बर्फबारी के चलते मैदानी राज्यों में सर्दी बढ़ गई है। मध्य प्रदेश के शहडोल का कल्याणपुर सबसे ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 2.7 डिग्री दर्ज किया गया। कोहरे के चलते दिल्ली से एमपी आने वाली एक दर्जन से ज्यादा ट्रेनें रोजाना 2 से 6 घंटे लेट हो रही हैं।

उत्तर प्रदेश में कोहरे की वजह से गुरुवार सुबह 6 हादसे हुए। इनमें 14 गाड़ियां टकराईं और 7 लोगों की जान चली गई। पुलिस ने बताया कि इसमें 8 लोग घायल भी हुए हैं जिनका इलाज जारी है।

राजस्थान के 4 शहरों का न्यूनतम तापमान – उधर, राजस्थान के 4 शहरों का न्यूनतम तापमान बुधवार को 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। गुरुवार को 23 जिलों में घना कोहरा छाया रहा। 25 जिलों में स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। उत्तराखंड के 3 शहरों का तापमान -21 डिग्री दर्ज किया गया है। इनमें पिथौरागढ़ का आदि कैलाश, रुद्रप्रयाग का केदारनाथ और उत्तरकाशी का यमुनोत्री धाम शामिल है।

उधर उत्तर प्रदेश में वाराणसी-मेरठ और झांसी समेत 38 जिलों में घने कोहरे का अलर्ट है। लखनऊ-कानपुर समेत 26 जिलों में कोल्ड डे रहेगा।

आज पहाड़ी राज्यों में भारी बर्फबारी

पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश में घने कोहरे का अलर्ट, कड़ाके की सर्दी रहेगी। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी बर्फबारी का अलर्ट।

कल मैदानी राज्यों में बारिश की संभावना

उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, पंजाब, हरियाणा में हल्की बारिश का अलर्ट। पहाड़ी राज्यों में तापमान और गिर सकता है। बर्फबारी जारी रहेगी।

भारत पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगा सकता है अमेरिका

- रूस के खिलाफ प्रतिबंधों से जुड़े बिल को ट्रम्प की मंजूरी, अगले हफ्ते संसद में वोटिंग

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंधों से जुड़े एक बिल को मंजूरी दे दी है। मीडिया के मुताबिक इस बिल में रूस से तेल खरीदने वाले देशों खासकर भारत, चीन और ब्राजील पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रावधान है।

रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने बताया कि उन्होंने बुधवार को व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति से बातचीत की, जिसमें ट्रम्प ने संसद बिल को पेश करने के लिए हरी झंडी दे दी। यह बिल पिछले कई महीनों से तैयार किया जा रहा था। इसे अगले हफ्ते संसद में वोटिंग के लिए लाया जा सकता है। बिल का नाम 'सैंक्शनिंग रशिया एक्ट 2025' है। इसका मकसद उन देशों पर दबाव बनाना है, जो यूक्रेन युद्ध के बीच रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीद रहे हैं। अमेरिका का आरोप है कि इससे रूस को युद्ध लड़ने में मदद मिल रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अगला राष्ट्रीय वस्त्र सम्मेलन म.प्र. में करने का दिया प्रस्ताव

मप्र ने वस्त्र उद्योग को रोजगारपरक औद्योगिक विकास में दी सर्वोच्च प्राथमिकता

धार के पीएम मित्र पार्क में तेजी से हो रहा कार्य प्रशंसनीय : केन्द्रीय वस्त्र मंत्री सिंह

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का वस्त्र उद्योग विरासत का संरक्षण करते हुए विकास की ओर बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों में हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट को लेकर महत्वपूर्ण कार्य हो रहे हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने वस्त्र उद्योग को रोजगारपरक औद्योगिक विकास में सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। केंद्र सरकार की ओर से मध्यप्रदेश को औद्योगिक और निवेश की दृष्टि से उल्लेखनीय सहयोग मिला है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने जन्मदिवस पर मध्यप्रदेश के धार में देश के पहले पीएम मित्र पार्क का भूमिपूजन किया। यहां टेक्सटाइल पार्क और उद्योगों का एक साथ लोकार्पण किया जाएगा। यह पार्क भारत को सशक्त बनाने के संकल्प की पूर्ति भी करेगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में भारत आर्थिक रूप से तीसरी सबसे बड़ी शक्ति बनने के ओर अग्रसर है। मां कामाख्या की धरती असम से आज देश के वस्त्र उद्योग को नई दिशा प्राप्त होगी। सभी राज्यों में वस्त्र उद्योग को आगे बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को गुवाहाटी में आयोजित वस्त्र मंत्रियों के राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। भारत का वस्त्र उद्योग- विकास, विरासत और नवाचार का ताना-बाना की थीम पर आयोजित इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संस्कृति, संस्कार, संसाधन और विरासत की दृष्टि से मध्यप्रदेश, टेक्सटाइल सहित अनेक उद्योगों में देश में अग्रणी है। राज्य सरकार द्वारा औद्योगिक गतिविधियां और निवेश बढ़ाने के लिए विभिन्न नवाचार किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत संभाग और जिला स्तर पर भी रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से उज्जैन, रीवा, कटनी, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर सहित कई जिलों में औद्योगिक विकास से जुड़ी गतिविधियों का विस्तार हुआ है। प्रदेश में लोकमाता देवी अहिल्याबाई के काल से महेश्वरी, चंदेरी साड़ी जैसे सिल्क को प्रोत्साहित करने की परंपरा है। राज्य सरकार ने नर्मदापुरम के हाईक्वालिटी मलबरी रेशम और ऑर्गेनिक कपास का उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रयास किए हैं। मध्यप्रदेश में हम टेक्सटाइल मिल, लूम हैंडलूम और स्पिंडल्स से बड़ी संख्या में महिलाओं को जोड़कर आत्म निर्भर बनाया जा रहा है। मध्यप्रदेश ऑर्गेनिक कॉटन, मेनमेड फाइबर, टेक्नीकल टेक्सटाइल सेक्टर में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश के खरगोन, बुधनी सहित जनजातीय बहुल इलाकों में टेक्सटाइल सेक्टर को बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। प्रदेश में डेढ़ दशक से चल रही टेक्सटाइल सेक्टर की वैल्यू चेन में राज्य सरकार ने 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक निवेश कराया है। भविष्य में इससे लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा।

म.प्र. में वस्त्रोद्योग के क्षेत्र में की जा रही पहल सराहनीय

केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा प्रदेश में वस्त्रोद्योग के क्षेत्र में की जा रही पहल के लिए सराहना की। धार में बन रहे देश के पहले पीएम मित्रा पार्क के निर्माण में तेजी से हो रहे कार्य के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन के प्रतिभागियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिवादन किया। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के आने से वस्त्र मंत्रियों के राष्ट्रीय सम्मेलन में चार चांद लग गए हैं। उन्होंने कहा कि वस्त्र मंत्रालय, मध्यप्रदेश में दो तरह के फाइबर पर कार्य करना चाहता है। पहला- लीनन जो अलसी में होता है और दूसरा- मिल्क बिल्ट (मदार) फाइबर। केंद्र सरकार न्यू एज फाइबर को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने राज्यों से टेक्सटाइल का रोडमैप बनाकर गतिविधियां संचालित करने की अपील करते हुए कहा कि राज्य टेक्निकल फाइबर को उतनी ही महत्ता दें, जितनी मशीन मेड फाइबर को दी जाती है। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंह ने कहा कि कृषि के बाद टेक्सटाइल देश में सबसे अधिक रोजगार देने वाला सेक्टर है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों के आधार पर देश के टेक्सटाइल एक्सपोर्ट में 9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इको सिस्टम तैयार करने के लिए देश को पीएम मित्र पार्क की सौगात दी है। मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक में पीएम मित्र पार्क स्थापित करने की गति बढ़ चुकी है। पीएम मित्र पार्कों में 1 लाख करोड़ से अधिक का निवेश होगा। जिससे यहां लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा। वस्त्र उद्योग के गारमेंट सेक्टर में 1 करोड़ निवेश किया जाए तो औसतन 40 से 60 लोगों को रोजगार मिलता है।

दिल्ली तुर्कमान गेट बवाल मामले में

पुलिस ने छह और किए गिरफ्तार, अब तक 11 लोग पकड़े, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के तुर्कमान गेट इलाके में हाल ही में अतिक्रमण हटाने के दौरान हुए बवाल के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अब तक कुल 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 6 और संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि बाकी बचे लोगों की तलाश जारी है। यह घटना तब हुई जब दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की टीम सात जनवरी को तड़के अवैध निर्माणों को हटाने के लिए पहुंची थी।

अब तक छह और लोगों को किया गिरफ्तार- तुर्कमान गेट पत्थरबाजी मामले में पुलिस ने अफान पुत्र इकबाल, आदिल पुत्र आमिल, शाहनवाज पुत्र मोह वाली, हमजा पुत्र मोह कामिल, अतहर पुत्र नदीम और उबेद पुत्र अब्दुल सुभान को गिरफ्तार किया है। तुर्कमान गेट पर हुए बवाल के मामले में पुलिस ने छह और लोगों को गिरफ्तार किया, अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

2 सड़क हादसे में बरेली में बाप-बेटे समेत 5 की मौत

- ऑटो-बाइक पर चढ़ा ट्रक, शव निकालने के लिए जेसीबी बुलानी पड़ी

बरेली (एजेंसी)। बरेली में गुरुवार सुबह घने कोहरे के कारण 2 सड़क हादसों में 5 लोगों की मौत हो गई। पहला हादसा बहेड़ी के नैनीताल हाईवे पर हुआ। जहां एक बेकाबू ट्रक ने बाइक सवार पिता और उनके दो मासूम बेटों को कुचल दिया। हादसे में तीनों की मौत हो गई। वहीं, दूसरा हादसा हाफिजगंज में पीलीभीत हाईवे पर हुआ। जहां ट्रक ई-रिक्शा को टक्कर मारकर रौंदते हुए निकल गया। ई-रिक्शा में सवार 2 मिस्त्रियों की मौत हो गई। शव निकालने के लिए जेसीबी बुलानी पड़ी

सपा विधायक का निधन, 8 बार विधायक रहे

- मुलायम सरकार में मंत्री रहे, अखिलेश अस्पताल पहुंचे

सोनभद्र (एजेंसी)। सोनभद्र से सपा विधायक विजय सिंह गोंड का 71 साल की उम्र में निधन हो गया। गुरुवार को लखनऊ के एसजीपीजीआई में उन्होंने अंतिम सांस ली। विजय सिंह करीब एक साल से बीमार चल रहे थे। उनकी दोनों किडनियां खराब हो गई थीं। दो महीने से लखनऊ पीजीआई में इलाज चल रहा था।

वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के बेटे का निधन

मुंबई (एजेंसी)। वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के बेटे अग्निवेश अग्रवाल का 49 साल की उम्र में निधन हो गया है। अग्निवेश अमेरिका में स्कीइंग के दौरान घायल हो गए थे, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए न्यूयॉर्क के माउंट सिनाई अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 20 °c | न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शुक्रवार, 09 जनवरी 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

7 राज्यों के 11 कोर्ट कॉम्पलेक्स को उड़ाने की धमकी

ईमेल मिलने के बाद परिसर खाली कराए

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 10 कोर्ट परिसर को गुरुवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इसके बाद कोर्ट परिसर खाली करा लिए गए हैं। पुलिस की टीमें और डॉग स्क्वाड जांच कर रही है। सभी जगह दहशत का माहौल है। सभी जगह धमकी ई मेल के जरिए मिली है। पंजाब के फिरोजपुर, मोगा, रोपड़ जिला अदालत को भी थ्रेट कॉल आई है। वहीं, हिमाचल हाईकोर्ट को भी धमकी मिली है। इससे वहां दहशत का माहौल है। गुरुवार को ही छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव कोर्ट को, मध्यप्रदेश के रीवा जिला न्यायालय को, केरल के कासरगोड जिला कोर्ट को एवं बिहार के 4 कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली। लेटर में लिखा- आरडीएक्स प्लांट हैं, श्रीलंका के ईस्टर ऑपरेशन जैसे

बेंगलुरु-विजयवाड़ा एक्सप्रेस वे पर 24 घंटे में 29 किमी सड़क बनी

- 10,675 मीट्रिक टन डामर बिछाया गया

विजयवाड़ा (एजेंसी)। एनएचएआई ने आंध्र प्रदेश में बेंगलुरु-कडप्पा-विजयवाड़ा इकोनॉमिक कॉरिडोर (एनएच-544 प्रतिशत) पर दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए हैं। राजपथ इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड ने 24 घंटे में 28.95 (14.5 किमी डबललेन) किलोमीटर सड़क बिछाई। इसी के साथ 10,675 मीट्रिक टन बिटुमिनस कंक्रीट (डामर) डाला। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू सोशल मीडिया एक्स पर इसको लेकर पोस्ट किया। सीएम ने इसे भारत और आंध्र के लिए गर्व का पल बताया।

फिरोजपुर में परिवार की हत्या कर सुसाइड किया

- पहले प्रॉपर्टी कारोबारी ने पत्नी और 2 बेटियों को गोली मारी

फिरोजपुर (एजेंसी)। पंजाब के फिरोजपुर में प्रॉपर्टी कारोबारी एवं फाइनेंसर अमनदीप सिंह ने 2 बेटियों और पत्नी को गोली मारकर खुद भी सुसाइड कर लिया। पुलिस के मुताबिक, सुबह जब सफाई करने वाली घर आई और उसने दरवाजा खटखटाया तो किसी ने दरवाजा नहीं खोला। सफाई वाली ने घर के ऊपर रहने वाले किराएदार को फोन कर पूछा। तब उसने किराएदारों के कहने पर घर के मालिक को फोन किया। फिर भी घर के अंदर फोन बजता रहा, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया और न ही किसी ने दरवाजा खोला। इससे उन्हें शक हुआ कि कहीं उन्हें गैस तो नहीं चढ़ गई। मगर, जब वे नीचे आए और दरवाजा तोड़ा तो पता चला कि सबकी मौत हो चुकी है। अमनदीप के अलावा उसकी पत्नी जसवीर कौर, बेटी मनवीर (10) और परनीत (6) का शव पड़ा था। पुलिस ने मौके से पिस्टल भी बरामद कर लिया है।

प्रयागराज में तेंदुए ने किया अटैक

जान बचाकर भागे लोग, घर में घुसा, किसान ने कमरे में बंद किया

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज के रिहायशी इलाके में तेंदुआ घुस गया है। 2 लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया है। इसके बाद एक किसान के घर में घुस गया। परिवार के 5 लोगों ने भागकर जान बचाई। किसान ने हिम्मत दिखाकर तेंदुए को मकान में बंद कर दिया।

प्रयागराज माघ मेले में 30 फीट का शिवलिंग

7 साल से एक पैर पर खड़े हैं बाबा, पहली बार महिला जल पुलिस तैनात

श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज में चल रहे माघ मेले में रोजाना 10 लाख श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। कड़ाके की ठंड के बावजूद साधु-संत, अखाड़े और कल्पवासी संगम की रेती पर डेरा जमाए हुए हैं। तपस्या कर रहे हैं।

मेले में साधु-संतों की मौजूदगी लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। एक बाबा ऐसे भी पहुंचे हैं, जो 7 साल से एक पैर पर खड़े होकर तपस्या कर रहे हैं। बाबा का कहना है कि वह यह तप समाज के कल्याण के लिए कर रहे हैं।

रीवा की रहने वाली मोना सिंह एक हाथ में कलश और दूसरे में माला ली हुई है, जबकि सिर पर मुकुट पहना है। मोना का कहना है कि उन्होंने यह वेश इसलिए धारण किया है, ताकि गंगा मां का

आशीर्वाद बना रहे। माघ मेले में भी महाकुंभ की तरह झूंसी में 30 फीट ऊंचा शिवलिंग स्थापित किया गया है। इस बार माघ मेला करीब 800 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसे 7 सेक्टरों में बांटा गया है। यहां करीब 8 किलोमीटर लंबे स्नान घाट बनाए गए हैं। महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम की भी व्यवस्था की गई है। मेला क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था महाकुंभ की तर्ज पर की गई है।

इसके अलावा गोल्डन और सिल्वर बॉय बनकर आए दो युवक भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। दोनों ने पूरे शरीर पर गोल्डन और सिल्वर रंग की पॉलिश कर रखी है। लोग उनके साथ सेल्फी ले रहे हैं, वहीं गोल्डन बॉय लोगों को देखकर हाथ जोड़कर प्रणाम करता है।

● टीएमसी के आई-पैक ऑफिस में ईडी की रेड

'लोकतंत्र के हत्यारे, हमसे लड़ नहीं सकते' : ममता

- कार्रवाई के बीच ममता फाइल उठाकर निकलीं, कहा- गृहमंत्री मेरी पार्टी के दस्तावेज उठवा रहे
- ईडी ने कोर्ट में याचिका लगाई, आज होगी सुनवाई

कोलकाता (एजेंसी)। इन्फोर्समेंट डायरेक्टरेट (ईडी) ने गुरुवार को मनी लॉन्ड्रिंग केस में पॉलिटिकल कंसलटेंट फर्म आई-पैक के ऑफिस और उसके डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर पर छापेमारी की। प्रतीक ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी के आईटी सेल के हेड भी हैं। वहीं ईडी ने कोर्ट में याचिका लगाई है आज सुनवाई होने की संभावना है।

पश्चिम बंगाल में कोलकाता समेत 6 और दिल्ली में 4 ठिकानों पर छापेमारी की गई। कोलकाता में प्रतीक छापेमारी के दौरान घर पर ही मौजूद रहे। यह कार्रवाई सुबह 6 बजे से शुरू हुई थी, लेकिन करीब 11:30 बजे के बाद मामला बढ़ा।

- **ईडी ने कहा- कुछ संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों ने दस्तावेज छीने**

ईडी ने कहा कि कोलकाता में आई पीएसी कार्यालय पर छापे पूरी तरह सबूतों के आधार पर किए जा रहे हैं। यह किसी राजनीतिक दल या चुनाव से जुड़ा मामला नहीं है। यह कार्रवाई अवैध कोयला तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े केस में हो रही है। फिलहाल 10 ठिकानों पर तलाशी जारी है। 6 पश्चिम बंगाल और 4 दिल्ली में। एजेंसी ने बताया कि जांच में कैश जनरेशन, हवाला ट्रांसफर से जुड़े परिसर शामिल हैं। किसी भी पार्टी कार्यालय की तलाशी नहीं ली गई। कुछ संवैधानिक पदों पर बैठे लोग दो ठिकानों पर पहुंचे, अवैध दखल दिया और दस्तावेज छीन लिए।

ममता ने कहा-

यह कार्रवाई घटिया और शरारती गृह मंत्री करवा रहे- सीएम ममता ने कहा, क्या ईडी और अमित शाह का काम पार्टी की हार्ड डिस्क और उम्मीदवारों की सूची जब्त करना है? यह एक घटिया और शरारती गृह मंत्री है, जो देश की सुरक्षा नहीं कर पा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट बोला

कुत्ते इंसानों का डर पहचान लेते हैं इसलिए काटते हैं

- वकील बोले- देश में सिर्फ 5 सरकारी शेल्टर, हमें इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में आवारा कुत्तों से जुड़े मामलों पर गुरुवार को लगातार दूसरे दिन ढाई घंटे सुनवाई हुई। कोर्ट ने कुत्तों के बिहेवियर को लेकर चर्चा की। जस्टिस नाथ ने कहा कि कुत्ते इंसानों का डर पहचान लेते हैं इसलिए काटते हैं। इस पर एक वकील (कुत्तों के फेवर वाले) ने इनकार किया। फिर जस्टिस ने जवाब दिया कि, अपना सिर मत हिलाइए, ये बात मैं पर्सनल एक्सपीरियंस से बोल रहा हूं।

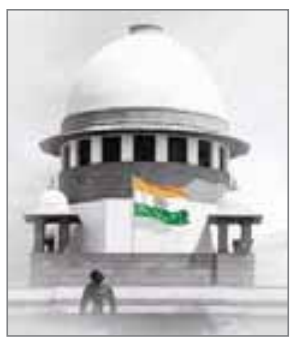

उधर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि राज्यों ने जो आंकड़े दिए हैं। उनमें से किसी ने यह नहीं बताया कि नगर पालिकाओं की तरफ से कितने शेल्टर चलाए जाते हैं। देश में सिर्फ 5 सरकारी शेल्टर हैं। इनमें से हर एक में 100 कुत्ते रह सकते हैं। हमे इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत है।

प्रशासन अकादमी में ईरानी फिल्म बरन का विशेष प्रदर्शन

माजिद मजीदी की बारिश में भीगी एक नि :शब्द प्रेमकथा

भोपाल। प्रशासन अकादमी में सिने' क्लासिक श्रृंखला के अंतर्गत विश्व सिनेमा की एक उत्कृष्ट कृति, ईरानी फ़िल्मकार माजिद मजीदी की चर्चित फ़िल्म 'बरन' (Baran, 2001) का विशेष प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस आयोजन में लगभग 50 प्रतिभागियों ने सहभागिता की, जिनमें ट्रेनी मेडिकल ऑफिसर्स और फिल्म रसिक प्रमुख रूप से शामिल थे।

बारिश में भीगी एक नि :शब्द प्रेमकथा के रूप में पहचानी जाने वाली बरन ने दर्शकों को गहरे भावनात्मक अनुभव से रूबरू कराया। फ़िल्म एक ऐसे प्रेम को रेखांकित करती है जो शब्दों से परे है-जहाँ चाहत पाने की नहीं, बल्कि देने और त्याग की होती है। माजिद मजीदी की यह फ़िल्म उन विरली कृतियों में है जो जीवन को कविता में बदल देती हैं। फ़िल्म का निर्देशन निर्देशक-माजिद मजीदी का है। मुख्य कलाकार-होसेन अबेदीनी (लतिफ़), ज़ाहरा बहारमी (बरन), सिनेमैटोग्राफ़ी : हसन पूलदाद और संगीत : अमीन अला-देह का है। साधारण मज़दूरी स्थलों, बारिश और कीचड़ को सिनेमैटोग्राफ़र हसन पूलदाद ने अद्भुत काव्यात्मकता में ढाला है, वहीं अमीन अला-देह का संगीत फ़िल्म के भावनात्मक रंगों को और गहराई देता है।

तेहरान के एक निर्माण स्थल पर काम करने वाला 17 वर्षीय तुर्क मज़दूर लतिफ़ एक नए अफ़ग़ान मज़दूर 'रहमत' की ओर अनायास ही आकर्षित होने लगता है। धीरे-धीरे उसे पता चलता है कि रहमत वास्तव में एक लड़की है-बरन, जो अपने परिवार के पालन-पोषण के लिए लड़के का वेश धर काम कर रही है। इस रहस्य के उजागर होने के साथ लतिफ़ के भीतर एक ऐसा प्रेम जन्म लेता है, जो स्वार्थ से मुक्त और पूर्णत : त्यागमय है।

बरन एक धीमी लेकिन गहराई से असर करने वाली फ़िल्म है, जहाँ शोर नहीं, बल्कि मौन बोलता है।

क्या 'मुर्दों' ने ली थी बदमाशों की जमानत

ईरानी गैंग के 14 आरोपी रिहा, कोर्ट में मृतकों को जिंदा बताकर किया खड़ा

भोपाल (नप्र)। राजधानी की अमन कॉलोनी में ईरानी डेरे पर हुई हाई-रिस्क पुलिस कार्रवाई के बाद गिरफ्तार किए गए 14 आरोपी फर्जी जमानतदारों की मदद से जेल से छूट गए हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि जमानत के लिए पेश किए गए दो जमानतदारों की मौत पहले ही हो चुकी थी, फिर भी उनकी जगह दूसरे लोगों को खड़ा कर जमानत हासिल कर ली गई। इस घटना ने पुलिस और अभियोजन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मोस्ट वांटेड बदमाशों में नाम- यह कार्रवाई 27 और 28 दिसंबर की दरमियानी रात को हुई थी। पुलिस को सूचना मिली थी कि देश भर में वांछित बदमाश ईरानी डेरे में छिपे हैं। महीनों की निगरानी के

बाद पुलिस ने वहां दबिश दी। इस दौरान पुलिस पर पथराव और मारपीट भी हुई। पुलिस ने मौके से 22 पुरुष और 10 महिलाओं को हिरासत में लिया था। पुलिस के मुताबिक, ये लोग चोरी, लूट और ठगी जैसी वारदातों में शामिल थे। इन सभी पर बलवा, सरकारी काम में बाधा, मारपीट, तोड़फोड़ और संगठित अपराध जैसी गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया था।

ईरानी डेरे में 6 से ज्यादा गैंग- पुलिस की अब तक की जांच में यह भी पता चला है कि भोपाल के ईरानी डेरे में एक नहीं, बल्कि छह से ज्यादा गैंग सक्रिय हैं। इन सभी गैंग में कई दर्जन गुर्गे शामिल हैं और हर गैंग अपने तरीके से काम करती है।

10 आरोपियों ने दी कोर्ट में अर्जी

5 जनवरी को 10 आरोपियों ने जमानत के लिए कोर्ट में अर्जी दी। जमानतदार के तौर पर जमील रहमान खान का नाम पेश किया गया और उसके नाम के जमीन के कागज भी दिखाए गए। जांच में पता चला कि जमील रहमान खान की तो दो साल पहले ही मौत हो चुकी थी। इसके बावजूद, उसी नाम के किसी दूसरे व्यक्ति को कोर्ट में पेश कर जमानत ले ली गई। अगले दिन, 6 जनवरी को चार और आरोपियों को भी ऐसे ही फर्जी जमानतदार के जरिए रिहा कर दिया गया। इस तरह कुल 14 आरोपी जेल से बाहर आ गए।

'पापा पीरियड्स में हूं, प्लीज छोड़ दो'

हैवान पिता ने 5 हजार के लिए दरिंदों को सौंप दी अपनी बेटी

कर्नाटक (चिक्कमगलुरु) (एजेंसी)। आज के समय में क्राइम इतना बढ़ गया है कि अब लोगों को किसी अपने पर भरोसा करने से भी डर लगने लग गया है। लालच में आकर लोग अपने खून के रिश्तों का भी कत्ल कर देते है। यह मामला भी कुछ ऐसा ही है। एक पिता जिसे रक्षक माना जाता है, उसने पैसों के लालच में इस पवित्र रिश्ते को कलंकित कर दिया। यह मामला कर्नाटक के चिक्कमगलुरु जिले के बिरूर से मामला सामने आया है। यहां एक पिता ने पैसों के लालच में अपनी ही नाबालिग बेटी को देह व्यापार में धकेल दिया। इस अपराध में लड़की की नानी भी शामिल थी। पुलिस ने पिता, नानी और मुख्य आरोपी समेत अब तक 12 लोगों को गिरफ्तार किया है।

मां की हो चुकी है मौत - पीड़िता की मां का कुछ समय पहले निधन हो गया था। इसके बाद वह रिश्तेदारों के पास रहकर पढ़ाई कर रही थी। 12वीं (पीयूसी) की पढ़ाई पूरी करने के बाद वह अपने पिता के घर लौटी थी। उसे उम्मीद थी कि पिता उसका सहारा बनेंगे, लेकिन उसने कभी सोचा भी नहीं था कि वही पिता उसकी जिंदगी बर्बाद कर देगा।

5 हजार रुपये रोज कमाने का लालच- दिसंबर में पिता अपनी बेटी को लेकर उसकी नानी के घर गया। वहां दो दिन रहने के दौरान पिता और नानी ने मिलकर लड़की को देह व्यापार में धकेलने की साजिश रच ली।

- **मंगलुरु में दो दिन तक किया गया यौन शोषण-** आरोपी पिता, भरत शेट्टी के साथ लड़की को मंगलुरु ले गया। रास्ते में लड़की ने बताया कि वह मासिक धर्म में है और बीमार है, लेकिन किसी ने उसकी बात नहीं सुनी। अगले दिन भरत शेट्टी ने उसे धमकाया और कहा कि उसे कुछ लोगों के साथ जबरन संबंध बनाने होंगे। पीड़िता के अनुसार, 20 से 45 साल की उम्र के चार लोगों ने बारी-बारी से उसके साथ बलात्कार किया। जब उसने अपनी नाबालिग उम्र बताकर छोड़ने की गुहार लगाई, तब भी आरोपियों ने उसे नहीं छोड़ा। दो दिनों तक उसका लगातार यौन शोषण किया गया।
- **हिम्मत दिखाकर पहुंची पुलिस तक-** किसी तरह हिम्मत जुटाकर पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पिता, नानी, भरत शेट्टी और अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला है कि भरत शेट्टी दक्षिण कन्नड़ जिले में देह व्यापार का बड़ा नेटवर्क चलाता था।

एमपी हाईकोर्ट ने कहा

प्रोबेशन में वेतन कटौती अवैध

- सरकार 100 प्रतिशत काम लेती है तो सैलरी कम क्यों

जबलपुर (एजेंसी)। जबलपुर हाईकोर्ट से मध्य प्रदेश के हजारों सरकारी कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने प्रोबेशन पीरियड के दौरान वेतन में की गई कटौती को अवैध करार देते हुए स्पष्ट आदेश दिया है कि जिन कर्मचारियों से सैलरी काटी गई है, वह राशि एरियर्स सहित वापस की जाए।

हाईकोर्ट ने सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) द्वारा 12 दिसंबर 2019 को जारी सर्कुलर को रद्द कर दिया है, जिसके तहत नई भर्तियों में पहले वर्ष 70 प्रतिशत, दूसरे वर्ष 80 प्रतिशत और तीसरे वर्ष 90 प्रतिशत वेतन देने का प्रावधान किया गया था।

100 प्रतिशत काम लिया तो वेतन में कटौती क्यों?- जस्टिस विवेक रूसिया और जस्टिस दीपक खोट की डिवीजन बेंच ने टिप्पणी करते हुए कहा कि जब सरकार कर्मचारियों से 100 प्रतिशत काम ले रही है, तो प्रोबेशन के नाम पर वेतन में कटौती का कोई औचित्य नहीं है।

दूषित पानी कांड में हाईकोर्ट सख्त 'अपराधजनक उदासीनता' करार

इंदौर। शहर का भागीरथपुरा क्षेत्र इन दिनों डर और मातम के साये में है। नगर निगम के सप्लाय दूषित पानी पीने से हुई 20 अकाल मौत और सैकड़ों लोगों के बीमार होने के बाद अब मामले ने कानूनी मोड़ ले लिया है। इंदौर हाईकोर्ट ने इस पूरे घटनाक्रम पर सख्त नाराजगी जाहिर करते हुए इसे 'अपराधजनक उदासीनता' करार दिया है। मामले की सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने नगर निगम और प्रशासन को आड़े हाथों लिया। कोर्ट ने कहा कि यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं है, बल्कि एक ऐसी उदासीनता है जिसने निर्दोष नागरिकों को मौत के मुहाने पर धकेल दिया। इस मामले में अब तक चार जनहित याचिकाएं दायर की जा चुकी हैं।

पाइप लाइन नहीं बदली

सीनियर एडवोकेट अजय बागड़िया ने याचिका के माध्यम से कई चौंकाने वाले तथ्य सामने रखे हैं। उन्होंने बताया कि फाइल दबा दी गई। नवंबर 2022 में इंदौर नगर निगम की मेयर-इन-काउंसिल (एमआईसी) ने सवा 2 करोड़ रुपए की लागत से नई पाइपलाइन बिछाने का ठेका 'मालवा इंजीनियरिंग' को दिया था।

एडवोकेट ने कहा 'यह लापरवाही नहीं, हत्या' 302 में केस हो

लेकिन, हस्ताक्षर के बाद भी काम बंद रहा। मेयर और वरिष्ठ अधिकारियों की मंजूरी के बावजूद इस प्रोजेक्ट पर कोई काम नहीं हुआ।

पुरानी चेतावनी नजरअंदाज

2017-18 में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने इंदौर के 7 स्थानों से पानी के सैंपल लिए थे, जो जांच में फेल पाए गए थे। इसकी रिपोर्ट निगम को दी गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। सीनियर एडवोकेट अजय बागड़िया ने कहा कि अगर समय रहते पाइपलाइन बदल दी जाती, तो आज हमें इतनी लाशें नहीं गिननी पड़तीं। यह जनता को जानबूझकर जहर पिलाने जैसा कृत्य है।

प्रमुख कानूनी मांगें और धाराएं

याचिकाकर्ताओं ने हाई कोर्ट से इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की। घटना की निष्पक्ष जांच के लिए हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में 'हाई-पावर कमेटी' का गठन हो। दोषी निगम अधिकारियों और ठेकेदारों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) या पूर्ववर्ती आईपीसी की धारा 302 (हत्या) के तहत मुकदमा चलाने की मांग की गई। मृतकों के परिजनों और बीमारों के लिए उचित आर्थिक सहायता की जाए।

महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधान

इस मामले में अधिवक्ता द्वारा मुख्य रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर जोर दिया गया।

- **अनुच्छेद 21:** जीवन का अधिकार, जिसमें स्वच्छ जल और स्वास्थ्य का अधिकार शामिल है।
- **धारा 304-ए:** लापरवाही के कारण मृत्यु (हालाँकि अधिवक्ता इसे धारा 302 के तहत 'गंभीर अपराध' मान रहे हैं)।
- **धारा 277:** सार्वजनिक जल स्रोत या जलाशय के पानी को दूषित करना।

कोर्ट ने साफ पानी की आपूर्ति और प्रभावित क्षेत्र में तत्काल स्वास्थ्य शिविर लगाने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली महत्वपूर्ण सुनवाई 14 जनवरी को होनी है, जिसमें नगर निगम को अपना पक्ष रखना होगा और जवाबदेही तय की जाएगी।

टेस्टिंग के दौरान भागीरथपुरा की पाइप लाइन फूटी, दुरुस्त होगी

तीन दिन पहले बिछाई पाइप लाइन में लीकेज आया

इंदौर। भागीरथपुरा क्षेत्र में बिछाई गई नर्मदा जल आपूर्ति लाइन बुधवार को टेस्टिंग के दौरान ही फूट गई। यह लाइन महज तीन दिन पहले ही डाली गई थी। टेस्टिंग के समय पाइप में लीकेज सामने आते ही नगर निगम और संबंधित विभाग हरकत में आए और जिस हिस्से में खराबी पाई गई, वहां दोबारा खुदाई कर लाइन को दुरुस्त किया गया। अधिकारियों के अनुसार, आज गुरुवार 8 जनवरी को दोबारा टंकी से पानी छोड़कर एक बार फिर पूरी लाइन की जांच की गई, ताकि किसी भी तरह की तकनीकी खामी को समय रहते दूर किया जा सके। बताया जा रहा है कि भागीरथपुरा में नर्मदा लाइन डालने की स्वीकृति कई दिनों पहले मिल चुकी थी। लेकिन, फाइल आगे नहीं बढ़ पाने के कारण काम में लगातार देरी होती रही। इसी देरी का खामियाजा क्षेत्र के लोगों को भुगतना पड़ा। दूषित पेयजल की आपूर्ति के चलते अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि डेढ़ हजार से अधिक लोग बीमार बताए जा रहे हैं। बड़ी संख्या में लोगों को उल्टी, दस्त और बुखार की शिकायत के बाद अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

व्यवस्था पर खड़े हुए सवाल

स्थानीय रहवासियों का कहना है कि वे लंबे समय से साफ पेयजल की मांग कर रहे थे, लेकिन प्रशासन की उदासीनता के कारण समस्या गंभीर होती चली गई। जब हालात बेकाबू हुए और मौतें सामने आईं, तब जाकर नर्मदा लाइन बिछाने का काम तेजी से शुरू किया गया। हालांकि नई लाइन के टेस्टिंग के दौरान ही फूट जाने से एक बार फिर व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि पाइप लाइन में आई तकनीकी खराबी को ठीक कर लिया गया है और अब पूरी सतर्कता के साथ दोबारा परीक्षण किया जाएगा। उनका दावा है कि जांच पूरी होने के बाद ही नियमित जल आपूर्ति शुरू की जाएगी, ताकि भविष्य में किसी तरह की दुर्घटना न हो।

तीन बहनों के इकलौते भाई की हौज में डूबने से दर्दनाक मौत

टंकी पर कोई ढक्कन नहीं, खेलते-खेलते पहुंचा मासूम

इंदौर। पलासिया थाना क्षेत्र के मनोरमागंज इलाके में मंगलवार शाम दर्दनाक हादसा हो गया। नाना-नानी के घर रह रहे तीन वर्षीय मासूम गणेश की खुले पानी की हौज में डूबने से मौत हो गई। गणेश खेलते-खेलते घर के बाहर बनी करीब सात फीट गहरी हौज में गिर गया, जिससे उसकी जान चली गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, घटना के समय गणेश की मां मनीषा घर के अंदर चाय बना रही थीं। इसी दौरान मासूम बाहर चला गया। काफी देर तक जब उसकी आवाज नहीं सुनाई दी तो परिजनों ने तलाश शुरू की। खोजबीन में गणेश घर के बाहर बनी पानी की हौज में डूबा मिला। परिजन तुरंत उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मायके में रह रही थी मां- परिजनों ने बताया कि मकान में बनी हौज पर कोई ढक्कन या सुरक्षा इंतजाम नहीं था और वह अक्सर खुली रहती थी। घटना के वक्त नाना-नानी चौकीदारी के काम से मालिक के बंगले पर गए हुए थे। घर में केवल माँ और मामी मौजूद थीं। मृतक गणेश अपने माता-पिता का इकलौता बेटा और तीन बहनों का अकेला भाई था। उसकी बहनें बुरहानपुर में पिता के साथ रहती हैं। बताया गया कि मनीषा पिछले डेढ़ साल से पति से विवाद के चलते मायके इंदौर में रह रही थीं। इस हादसे से पूरा परिवार गहरे सदमे में है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

आजाद नगर में परिवार पर हमला

इंदौर। आजाद नगर थाना क्षेत्र में मंगलवार रात युवती से बात करने को लेकर विवाद हो गया। विवाद में युवकों ने परिवार पर हमला बोल दिया। हमले में परिवार के कई लोगों को चोट आई है। फरियादी गोविंद पिता हरिप्रसाद निवासी देवास की शिकायत पर लक्की कदम, आकाश जाटव, भय्यू और चीनी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पीड़ित परिवार रात 10 बजे कार से मूसाखेड़ी स्थित संतोष कदम के घर पहुंचा था। आरोप है कि संतोष का बेटा लक्की परिवार की बेटी से मोबाइल पर बात करता था, इसी बात को लेकर वे उसे समझाने गए थे। बातचीत के दौरान लक्की ने अपने दोस्तों को बुला लिया और सभी ने मिलकर परिजन पर हमला कर दिया। इसके बाद कार में भी तोड़फोड़ की। घटना में गोविंद, उसका भाई दिलीप, भाभी सरोज, बहन रेखा सहित अन्य रिश्तेदार घायल हो गए।

महिला से मारपीट की- उधर, द्वारकापुरी थाना क्षेत्र में बदमाशों ने महिला से की। घटना सचिन टावर के पास ऋषि पैलेस कालोनी में हुई। फरियादी रवीना गायकवाड़ ने बताया कि आरोपी किशन राठौर, पवन राठौर और उनके साथियों ने बिना किसी कारण विवाद किया। इसके बाद मेरी बाइक को लात मारकर गिरा दिया। जब मैंने विरोध किया तो मारपीट की। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

भागीरथपुरा क्षेत्र में टैंकरों से जल प्रदाय

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा एवं नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल द्वारा भागीरथपुरा क्षेत्र की विभिन्न बस्तियों एवं कॉलोनियों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। सुबह निरीक्षण के दौरान रेडवाल कॉलोनी, ईंट का भट्टा, बगिया रोड सहित अन्य क्षेत्रों में सीवरेज तथा नर्मदा जल प्रदाय से संबंधित लीकेज सुधार कार्यों का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर क्षेत्रीय रहवासियों से जल प्रदाय की स्थिति के संबंध में फीडबैक भी लिया गया, जिस पर नागरिकों ने टैंकरों के माध्यम से किए जा रहे जल प्रदाय एवं पानी की उपलब्धता पर संतोष व्यक्त किया। साथ ही क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में टैंकरों के माध्यम से जल प्रदाय किया जा रहा है। नागरिकों से अपील की गई है कि टैंकर से प्राप्त पानी को उबालकर और छानकर ही पीने में उपयोग करें। प्रशासन एवं नगर निगम द्वारा एहतियातन सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही हैं, ताकि क्षेत्र में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

ड्रग तस्करी में फंसाने की धमकी, 17 लाख ठगे

इंदौर। पुलिस की तमाम समझाइश के बाद भी लोग आनलाइन ठगी के शिकार हो जाते हैं। क्राइम ब्रांच थाने में महिला को सीबीआई अधिकारी बनकर ठगने के मामले में शिकायत आई है। महिला को ठग ने मनी लॉन्ड्रिंग और ड्रग तस्करी के झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर झांसे में लिया और उससे 17 लाख रुपए हड़प लिए। पुलिस को पीड़िता ने बताया कि पहले टेलीकॉम विभाग के नाम से कॉल आया। इसमें आधार कार्ड पर फर्जी सिम जारी होने की बात कही गई। इसके बाद व्हाट्सएप कॉल पर खुद को इंस्पेक्टर और सीबीआई के डीसीपी बताने वाले आरोपियों ने गिरफ्तारी वारंट जारी होने का दावा किया। आरोपियों ने डिजिटल जांच के नाम पर महिला को वीडियो कॉल पर निगरानी में रखा और बैंक खाता सत्यापन के बहाने अलग-अलग खातों में रकम जमा करवाई। पीड़िता ने जुलाई माह में किस्तों में कुल 17 लाख रुपये ट्रांसफर किए। निर्धारित समय पर राशि वापस नहीं होने और मोबाइल नंबर बंद होने पर ठगी का खुलासा हुआ।

शहर में ई-रिक्शा के बेहतर संचालन के लिए दूसरी बैठक में 7 सेक्टर तय

इंदौर। शहर में बेतरतीब ढंग से दौड़ रहे ई रिक्शा के कारण ट्रैफिक व्यवस्था चरमराने लगी है। इनके बेहतर संचालन को लेकर एक पखवाड़े पहले भी यूनियन, मालिक और ट्रैफिक पुलिस की संयुक्त बैठक हुई थी। उस बैठक में 10 सेक्टर बनाए गए थे। इन सेक्टरों में रिक्शा चल नहीं पाए और बुधवार को दोबारा बैठक लेकर सात सेक्टर तय कर दिए। बैठक में प्रत्येक सेक्टर की अलग-अलग कलर कोडिंग निर्धारित की गई है। ई-रिक्शा के आगे-पीछे स्टीकर लगाए जाएंगे, जिन पर सेक्टर का नाम, ई-रिक्शा का सीरियल नंबर, वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर रहेगा, जिससे सवारियों के लिए ई-रिक्शा की पहचान एवं निगरानी सरल हो सकेगी। चालकों को सेक्टर बांटने दो दिन बाद कैंप लगाए जाएंगे। यह कैंप यातायात थाना पूर्व (एमटीएच कंपाउंड), यातायात नियंत्रण कक्ष पश्चिम महू नाका, एसीपी ट्रैफिक जोन 1 कार्यालय मल्हारगंज, डीसीपी ट्रैफिक कार्यालय पलासिया तथा एसीपी ट्रैफिक जोन 2 ऑफिस पिपलियाहाना है। कैम्प में वाहन के दस्तावेज लाना होंगे। इसके बाद सेक्टर अनुसार सीरियल नंबर स्टीकर दिए जाएंगे। ट्रैफिक पुलिस द्वारा प्रमुख स्थानों पर ई-रिक्शा स्टैंड भी चिन्हित किए जाएंगे, जिससे सवारी चढ़ाना-उतारना सुव्यवस्थित हो सकेगा।

सेक्टर के अनुसार मार्ग

सेक्टर-1: मच्छी बाजार से हरसिद्धि, पलसीकर कॉलोनी, माणिकबाग, गुलजार, चोइथराम

पहले बनाए 10 सेक्टर, अब सात पर बनी सहमति

चौराहा, पंढरीनाथ से हरसिद्धि मोती तबेला, पागनिसपागा, सोनकर धर्मशाला, सिंधी कॉलोनी, टावर चौराहा, भंवरकुआं चौराहा, महू नाका चौराहा से लालबाग जयरामपुर टी, कलेक्ट्रेट, पलसीकर, पागनिसपागा, सोनकर धर्मशाला, गाड़ी अड्डा पुल, लोहा मंडी, अग्रसेन चौराहा, अग्रसेन चौराहा, सपना संगीता रोड, टावर चौराहा, खातीवाला टैंक, गुलजार चौकी से ट्रांसपोर्ट नगर, एप्पल टी, भंवरकुआं चौराहा, आईटी पार्क चौराहा, खंडवा रोड, चोइथराम चौराहा से राजीव गांधी, भोलाराम उस्ताद चौराहा, भंवरकुआं चौराहा से नौलखा चौराहा से अग्रसेन चौराहा, चोइथराम चौराहा से पिपल्यापाला, आईटी पार्क, तीन इमली चौराहा तक।

सेक्टर 2: महू नाका चौराहा, उषा नगर चौराहा, अन्नपूर्णा रोड, चाणक्यपुरी, राजेन्द्र नगर चौराहा, नईदुनिया टी से पुराना आरटीओ ऑफिस, मधुबन कॉलोनी, केशरबाग रोड, रेलवे क्रासिंग, न्यू क्लाथ मार्केट से बिजलपुर, चोइथराम चौराहा से तेजपुर गडबडी पुलिया होते हुए बिजलपुर फाटा से राजेन्द्र नगर, राऊ, महूनाका चौराहा से रणजीत हनुमान रोड, फूटीकोठी, हवाबंगला से कैट रोड, चोइथराम मंडी से चाणक्यपुरी ब्रिज, चाणक्यपुरी चौराहा, गोपुर चौराहा, नर्मदा चौराहा, रेतीमंडी से कैट चौराहा, राजेन्द्र नगर से रेतीमंडी चौराहा नर्मदा चौराहा, गोपुर चौराहा फूटीकोठी चौराहा, रिंगरोड से चन्दन नगर चौराहा तक।

सेक्टर-3: संजय सेतु, जवाहर मार्ग से नंदलालपुरा, यशवंत रोड़, बम्बई बाजार, नृरसिंह बाजार चौराहा, मालगंज चौराहा, राजमोहल्ला चौराहा से गंगवाल, शिवानी टी, दरगाह चौराहा, गंगवाल चौराहा से लकडी मण्डी चौराहा, जिला अस्पताल चन्दन नगर चौराहा सिरपुर तक।

सेक्टर-4: किला मैदान टर्निंग चौराहा से महेश गार्ड, बडे गणपति, वृन्दावन कॉलोनी से बाणगंगा, विश्रांति चौराहा, परदेशीपुरा से सुभाष नगर चौराहा, परदेशीपुरा चौराहा, तीन पुलिया चौराहा, क्लर्क कॉलोनी चौराहा, मारुति नगर चौराहा बापट चौराहा।

सेक्टर-5: तीन पुलिस तिराहा से पाटनीपुरा चौराहा, एमआईजी थाना से एलआईजी चौराहा से एमआर 10 तक।

सेक्टर-6: रेलवे स्टेशन छोटी लाइन से गांधी चौक, हाईकोर्ट, लेटर्न चौराहा, जंजीरवाला चौराहा, एलआईजी, पत्रकार चौराहा तिलक नगर से बंगाली चौराहा। गीता भवन चौराहा से गिटार चौराहा, इण्डस्ट्री हाउस।

सेक्टर-7:पटेल प्रतिमा चौराहा से पटेल ब्रिज, सैफी चौराहा संजय सेतु चौराहा से मृगनयनी तथा नवलखा, इंदिरा प्रतिमा, व्हाइट चर्च, गीता भवन चौक रहेगा।

भागीरथपुरा क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग ने ओआरएस जिंक के 686 किट बांटे

अस्पतालों से लौटे 189 मरीजों का फालोअप किया गया

इंदौर। भागीरथपुरा क्षेत्र में हुई जल जनित घटना के बाद जिला प्रशासन द्वारा स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से किए जा रहे कार्यों से स्थिति सुधर रही है। बुधवार को स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने भागीरथपुरा के प्रभावित क्षेत्र में सघन दौरा किया। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने भागीरथपुरा के प्रभावित क्षेत्रों में उल्टी दस्त के जो मरीज स्वस्थ होकर लौटे थे, उनका फालोअप किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ माधव हसानी ने बताया कि बुधवार को 189 मरीजों का फालोअप किया गया। भागीरथपुरा क्षेत्र में नागरिकों को ओआरएस जिंक के 686 कीट बाटे गये।

टीम ने प्रभावित क्षेत्र में प्रचार प्रसार सामग्री का वितरण किया। साथ ही नागरिकों को ओआरएस बनाने की विधि, हाथ धोने के तरीके एवं उल्टी/दस्त से बचाव एवं उपचार संबंधित सामान्य संदेशों को प्रदर्शित किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा भागीरथपुरा क्षेत्र के नागरिकों को बताया कि नर्मदा जल का वितरण पाइप लाइनों को स्वच्छ करने के लिये किया जा रहा है। इसलिये क्षेत्र के निवासी उस जल का उपयोग आगामी सूचना तक नहीं करें। इस हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा गत दिवस से अभी तक मेगा माइकिंग के द्वारा संदेश प्रभावित क्षेत्र में दिया गया। कलेक्टर श्री वर्मा के निर्देशानुसार भागीरथपुरा प्रभावित क्षेत्र में दो एम्बुलेंस लगाई गई है। साथ ही 24×7 चिकित्सकों की ड्यूटी क्षेत्र में लगाई गई है। भागीरथपुरा क्षेत्र के प्रभावितों को एम. व्हाय. चिकित्सालय, अरविंदो अस्पताल तथा बच्चों को चाचा नेहरू अस्पताल में रेफर किया जा रहा है।

बिना लाइसेंस के संचालित पानी की फैक्ट्री में कारोबार बंद किया

7 हजार लीटर पैकेज ड्रिंकिंग वाटर प्लांट को सील किया गया

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा इंदौर में फूड एंड ड्रग लैब के उद्घाटन अवसर पर मिलावटखोरों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। उन्हीं निर्देशों के अनुपालन में कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में दल द्वारा बड़ी कार्रवाई करते हुए आज ट्रांसपोर्ट नगर स्थित मैकेनिक नगर क्षेत्र पर त्रिवेंटा इंटरप्राइजेज की जांच की गई। मौके पर पानी का ट्रीटमेंट एवं पैकेज ड्रिंकिंग वाटर बनाना जाना पाया गया। मौके पर बिना लाइसेंस के पानी के बोतलों का निर्माण किया जा रहा था। मौके पर पानी के नमूने लिए गए एवं उक्त फर्म को लाइसेंस लिए जाने तक कारोबार को बंद कराया गया। मौके पर पेस्ट कंट्रोल सर्टिफिकेट,पानी की जांच रिपोर्ट इत्यादि नहीं पाई गई, न ही वॉटर

ट्रीटमेंट संबंधी कोई दस्तावेज मौके पर प्रस्तुत किए गए। मौके पर 57 हजार 650 रुपये का पैकेज ड्रिंकिंग वॉटर सील किया गया।

मौके पर प्रतिष्ठान में खाद्य कारोबार तुरंत प्रभाव से बंद कराया गया। इस क्रम में प्राप्त शिकायत के आधार पर सांवरिया किचन एवं टिफिन सेंटर से तुअर दाल एवं मिक्स वेज सब्जी के नमूने लिए गए। साथ ही बर्गर किंग रेस्टोरेंट, मल्हार मेगा माल में चिकन बर्गर में कॉकरोच की शिकायत प्राप्त होने पर तुरंत जांच की गई मौके से चिकन बर्गर एवं उपयोग में होने वाले तेल के नमूने लिए गए । विक्रेता को सुधार सूचना पत्र भेजा जा रहा है। कलेक्टर शिवम वर्मा ने बताया कि नागरिकों को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। लिए गए सभी नमूनों को विस्तृत जाँच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल की ओर भेजा जा रहा है, जिनकी विश्लेषण रिपोर्ट प्राप्ति उपरांत अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

ट्रक के नकली डीजल टैंक और केबिन में मिला डोडाचूरा

पंजाब के तस्कर से लाखों का मादक पदार्थ जब्त किया

इंदौर। तस्कर पुलिस से बचने के लिए नए-नए हथकंडे अपनाते हैं। करीब डेढ़ साल पहले आबकारी विभाग ने एक कार में बने गोपनीय टैंक से 100 से अधिक अंग्रेजी शराब बाटल जब्त की थी। इसी तरह का प्रयोग पंजाब के तस्कर ने डोडा चूरा छुपाने के लिए किया। ड्रायवर ने ट्रक में नकली डीजल टैंक और केबिन बनवाया। टैंक और केबिन में 87 किलो डोडा चूरा छिपा लिया। तस्कर इसे सप्लाय कर पाता, इसके पहले ही तेजाजी नगर पुलिस की नजर पड़ गई और पुलिस ने तस्कर को पकड़कर उसके मंसूबे विफल कर दिए। थाना प्रभारी देवेन्द्र मरकाम ने बताया कि मंगलवार को थाना क्षेत्र की आउटर कॉलोनी, बायपास का सघन भ्रमण किया जा रहा था। तेजाजीनगर, अनुराधा नगर, बायपास पर चेकिंग पाइंट लगाए गए थे। तभी पुलिस को यादव ढाबे के सामने सर्विस रोड पर ट्रक क्रमांक-पीबी 13-आर-6587 का खड़ा दिखाई दिखा। पास

जाकर देखा तो उसने ड्राइवर भी था। ड्राइवर से ट्रक के कागजात मांगे तो वह बता नहीं सका और ट्रक लेकर भागने का प्रयास करने लगा। शंका होने पर ट्रक चालक बुट्टा सिंह निवासी रूरका खुर्द तहसील फिल्लौर जिला जालंधर पंजाब को पकड़ा। चेक करने पर ट्रक में मादक पदार्थ मिला।

जिम ट्रेनर से कोकीन बरामद- 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत क्राइम ब्रांच ने जिम ट्रेनर को गिरफ्तार कर उसके पास से दो लाख की कोकीन जब्त की है। पुलिस को सूचना मिली थी कि एमपी ट्यूरिज्म के पास 12 पत्थर, आम रोड पर युवक मादक पदार्थ की तस्करी करने घूम रहा है। सूचना पर पुलिस ने असद शेख निवासी खजराना से 10 ग्राम कोकीन जब्त की है। आरोपी लायन नाम से मादक पदार्थ सप्लाय करता था।

युवक से मिली ब्राउन शुगर

इस क्रम में क्राइम ब्रांच ने तस्करी के मामले में फरार चल रहे युवक बिलाल खान निवासी कोहिनूर कॉलोनी को पकड़ा। उसके पास से 10.15 ग्राम ब्राउन शुगर कीमत 1 लाख 10 हजार रुपए की जब्त की। आरोपी बाहरी राज्यों से मादक पदार्थ लेकर यहां सप्लाय करता था। तस्कर से पूछताछ जारी है।

संपादकीय

अब ग्रीनलैंड को ग्रसने की तैयारी

अमेरिका को फिर से 'ग्रेट' बनाने का राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का असली चेहरा सामने आ रहा है। एक ताकतवर लुटेरे की माफिक वेनेजुएला के बाद अब अन्य देशों की खनिज संपदा तथा उनके रणनीतिक महत्व के मद्देनजर उन्हें हथियाना चाहते हैं और इसके लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। उनकी नजर अब विशालकाय ग्रीनलैंड द्वीप पर है। ट्रंप द्वारा ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करने के दावे का पश्चिमी यूरोपीय देशों ने कड़ा विरोध किया है। ट्रंप ने ग्रीनलैंड की खनिज संपदा और रणनीतिक महत्व को अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक बताया है। बीते रविवार को ट्रंप ने फिर दोहराया कि ग्रीनलैंड अमेरिका का हिस्सा बनना चाहिए। यह बयान ऐसे समय आया जब डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने ट्रंप से ग्रीनलैंड को लेकर 'धमकी भरी भाषा' बंद करने की अपील की थी। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने कहा कि अमेरिका का ग्रीनलैंड पर कब्जा करना अनुचित है। इसी संदर्भ में 7 यूरोपीय देशों ने अपने संयुक्त बयान में कहा कि ग्रीनलैंड वहां के रहवासियों का है। यूरोपीय नेताओं ने ग्रीनलैंड के बारे में ट्रंप की टिप्पणियों के मद्देनजर द्वीपीय देश की संप्रभुता का बचाव किया। अपने बयान में इन नेताओं ने कहा कि आर्कटिक क्षेत्र में सुरक्षा केवल सामूहिक रूप से ही सुनिश्चित की जा सकती है नाटो सहयोगियों (जिनमें संयुक्त राज्य अमेरिका भी शामिल है) के साथ मिलकर-संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों को बनाए रखा जाए। इसमें संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और सीमाओं की अवध्यता शामिल है। ये सार्वभौमिक सिद्धांत हैं और हम इनकी रक्षा करना कभी नहीं छोड़ेंगे। दरसअल ट्रंप ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जेम्स मुनरो द्वारा 1823 में प्रणीत 'मुनरो डॉक्ट्रिन' को 'डोनरो डॉक्ट्रिन' के नाम से फिर से जिंदा कर दिया है। 'मुनरो डॉक्ट्रिन' के मुताबिक़ पश्चिमी गोलार्ध यानी अमेरिकी महाद्वीप को यूरोपीय शक्तियों के प्रभाव से मुक्त रहना चाहिए। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के पास पहले से ही ग्रीनलैंड में एक सैन्य अड्डा 'पिटुफिक स्पेस बेस' है। लेकिन ट्रंप इस पूरे द्वीप पर अमेरिका का कब्जा चाहते हैं। ट्रंप का तर्क है कि ग्रीनलैंड हमे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से चाहिए। क्योंकि यह क्षेत्र 'हर जगह रूसी और चीनी जहाजों से भरा हुआ है।' ग्रीनलैंड द्वीप डेनमार्क साम्राज्य अर्द्धस्वायत्त हिस्सा और अमेरिका के उत्तर-पूर्व में क़रीब 3200 किमी की दूरी पर स्थित है। लगभग 21.6 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला यह द्वीप संसाधनों से समृद्ध है। यहां की जनसंख्या मात्र 56 हजार है, जिनमें 90 फीसदी इनुइट मूल के लोग हैं। सवाल यह है कि अमेरिका इस पर कब्जा क्यों चाहता है? तो इसका उत्तर यह है कि अमेरिका का यहां यह उन रेयर अर्थ मिनरल्स से समृद्ध इलाक़ा है, जो स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक वाहनों और सैन्य साजो सामान बनाने के लिहाज से काफ़ी अहम हैं। वर्तमान में, चीन रेयर अर्थ मिनरल्स के उत्पादन में अमेरिका से बहुत आगे है। अमेरिका इस क्षेत्र में उसे पीछे छोड़ना चाहता है। इसके अलावा ग्रीनलैंड उत्तरी अटलांटिक में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक स्थान रखता है। यहाँ से आर्कटिक सर्कल तक पहुंच मिलती है, जिसका महत्व तेजी से बढ़ रहा है, क्योंकि आने वाले वर्षों में ध्रुवीय बर्फ पिघलने से नए समुद्री मार्ग खुलने की उम्मीद है। हालांकि ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ़्रेडरिक नीलसन ने ट्रंप को जवाब देते हुए द्वीप पर अमेरिकी नियंत्रण की धारणा को 'काल्पनिक' बताया। उन्होंने कहा कि हम संवाद के लिए तैयार हैं। लेकिन यह उचित तरीके से और अंतरराष्ट्रीय क़ानूनों का सम्मान करते हुए होना चाहिए। यह बात स्पष्ट है कि ग्रीनलैंड पर क़ब्ज़ा करने का अमेरिका का कोई भी प्रयास उसे नेटो के किसी अन्य सदस्य देश के साथ संघर्ष में डाल देगा, जिससे संभवतः गठबंधन ख़तरे में पड़ जाएगा।

कब्ज़े की संस्कृति में घिरता विश्व

अब वेनेजुएला में जो हो रहा है वहां भी कुछ ऐसी ही लालच है। आर्थिक प्रभुत्व की यह परोक्ष लड़ाई नहीं है अपितु अब तो यह सब साफ-साफ दिखने लगा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप क्या चाहते हैं। वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो को उनकी पत्नी के साथ रात्रि के प्रहर में गिरफ्तार करवाकर अमेरिका भले अपनी पीठ थपथपा रहा हो लेकिन यह उसकी बड़ी हार है। पूरे विश्व में उसकी खूब निंदा हो रही है। अपने डॉलर की चिंता ट्रंप को बेचैन कर रही है लेकिन साथ ही उनकी चिंता यह है कि रूस और चीन उनके मुकाबले कहीं खड़े न हो जाएँ। डरे हुए ट्रंप अब किसी भी स्तर पर जाकर सीरियल कार्रवाई विश्व के कई मुल्कों में करवा सकते हैं, इससे तो बुद्धिजीवी यही कयास लगा रहे हैं। यह किडनैपिंग का इंटरनेशनल स्वरूप है जिसे अमेरिका ने शुरू किया है। उसने ओसामा बिन लादेन जैसा भी प्रयोग किया था, जो उसे एक दिन भारी पड़ा।

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक राष्ट्रपति के ओएसडी रह चुके हैं एवं पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय में चेयर प्रोफ़ेसर हैं।

निवर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति जब जार्ज़ डब्ल्यू बुश ने ईराक पर ताबड़तोड़ हमले किए तो उन दिनों अख़बारों की सुर्ख़ियों में थे तेल। ईराक की मूल संपदा पर अमेरिका की वक्र आँखें थीं। उसे परमाणु ज़खीरे से ज्यादा तेल पर अपनी प्रभुत्व जमाने की ज़ल्दी थी। पश्चिम की लालच बहुत ही विघ्नकारी रही हैं और समय-समय पर इससे पूरा विश्व परेशान हुआ है। अब वेनेजुएला में जो हो रहा है वहां भी कुछ ऐसी ही लालच है। आर्थिक प्रभुत्व की यह परोक्ष लड़ाई नहीं है अपितु अब तो यह सब साफ-साफ दिखने लगा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप क्या चाहते हैं। वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो को उनकी पत्नी के साथ रात्रि के प्रहर में गिरफ्तार करवाकर अमेरिका भले अपनी पीठ थपथपा रहा हो लेकिन यह उसकी बड़ी हार है। पूरे विश्व में उसकी खूब निंदा हो रही है। अपने डॉलर की चिंता ट्रंप को बेचैन कर रही है लेकिन साथ ही उनकी चिंता यह है कि रूस और चीन उनके मुकाबले कहीं खड़े न हो जाएँ। डरे हुए ट्रंप अब किसी भी स्तर पर जाकर सीरियल कार्रवाई विश्व के कई मुल्कों में करवा सकते हैं, इससे तो बुद्धिजीवी यही कयास लगा रहे हैं। यह किडनैपिंग का इंटरनेशनल स्वरूप है जिसे अमेरिका ने शुरू किया है। उसने ओसामा बिन लादेन जैसा भी प्रयोग किया था, जो उसे एक दिन भारी पड़ा। अब मादुरो जैसे राष्ट्रपतियों को उठाने की कोशिश अमेरिका ने करके नई किडनैपिंग कल्चर को जन्म दिया है जिसका प्रभाव उसे भविष्य में झेलने पड़ेंगे, इससे इनकार नहीं किया जा सकता।

वैश्विक स्तर पर किसी भी राष्ट्र की संप्रभुता व उसकी स्वाधीनता के साथ इस प्रकार का खिलवाड़ संयुक्त राष्ट्र की विभिन्न ट्रीटीज की अवमानना है। मानवाधिकारों का उल्लंघन है। आमजन की गरिमा व स्वतंत्रता, सुरक्षा व जीवन के अधिकार के साथ खेलने का हक किसी भी राष्ट्र को नहीं है लेकिन अब जो कब्ज़ा की संस्कृति अपना पांव पसारने लगी है इससे चिंता इस बात की हो रही है कि क्या अब कोई भी देश का राष्ट्रपति भी अपनी टेरीट्रीज में सुरक्षित नहीं है? क्या वह कभी भी किस साम्राज्यशाली देश द्वारा उठाया जा सकता है? यदि ऐसा है तो थर्ड वर्ल्ड कंट्रीज के देशों के राष्ट्राध्यक्षों को एक बार आपस में बैठक करना अब ज़रूरी हो गया है की वे सुरक्षित कैसे रहेंगे? उन्हें इसके लिए संयुक्त राष्ट्र में ही सही अगली महासभा में इस क्रिमिनल कार्रवाई के खिलाफ एकजुट होकर आवाज़ उठानी होगी नहीं तो स्थितियां बहुत ही भयानक होने वाली हैं।

कब्ज़े की संस्कृति की चर्चा में अब ग्रीनलैंड केंद्र में हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ-साफ

कह दिया हिया कि ग्रीनलैंड वह लेकर रहेंगे। ट्रंप की चेतावनियों के बाद यूरोप के सात लीडर ग्रीनलैंड के साथ एकजुटता जता चुके हैं कि ग्रीनलैंड, ग्रीनलैंड के लोगों का है और भौगोलिक अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। जबकि 'न्यू यॉर्क टाइम्स' और 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' इन दोनों अमेरिकी अखबारों ने आगाह किया ह कि ट्रंप प्रशासन का अब मुख्य उद्देश्य बन गया है कि ग्रीनलैंड को डेनमार्क से खरीदना है। यूरोपीय देश डेनमार्क, फ्रांस, जर्मनी, इटली, पोलैंड, स्पेन और ब्रिटेन के नेताओं के एक साझे हस्ताक्षरित मसौदे में आमसहमति दर्ज की है कि ग्रीनलैंड वहां के लोगों का है। डेनमार्क और ग्रीनलैंड से जुड़े मुद्दों पर फैसला लेने का हक केवल डेनमार्क और ग्रीनलैंड का ही है। वहां की सरकार और नागरिकों का है। इन देश के नेतृत्वकर्ताओं का मानना है कि संप्रभुता, भौगोलिक अखंडता और सीमाओं की यथास्थिति को लेकर यूएन चार्टर में दर्ज सिद्धांतों के पालन की अहमियत पर जोर हम देंगे और डेनमार्क से ग्रीनलैंड की खरीद-फरोख्त या कब्जे की संस्कृति से हम बचाने का प्रयास करेंगे।

मानव जीवन की गरिमा बनाए रखना, ये सभी देशों की अपनी प्रतिबद्धताएं हैं। संविधान-सम्मत या किसी चार्टर के सम्मान में भी इसका ख्याल रखना ज़रूरी है। लेकिन इसके बावजूद आए दिन कई जगहों से मानवाधिकार उल्लंघन की खबरें आती रहती हैं। अब जब राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री उठाने की संस्कृति कब्ज़े की संस्कृति की मजबूती के लिए उठ खड़ी हो रही हैं तो वैश्विक स्तर पर मानवाधिकारों की क्या स्थिति होगी, इसका अंदाज़ा भी आज लगाना मुश्किल है। सबसे अहम् बात यहाँ यह है कि यूरोपीय नेतृत्वकर्ताओं की बात तो अब पूरी होगी भी कि नहीं, इस पर भी शंका जताई जा रही है। यूएन महासभा अध्यक्ष ऐनालेना बेयरबॉक ने स्वयं वेनेजुएला स्थिति के बारे में चिंता व्यक्त की और कहा कि यूएन चार्टर का पालन कोई ऐच्छिक विकल्प नहीं है। यह हम सभी को राह दिखाने वाले ढाँचा है। शान्तिपूर्ण स्थिति और संकटों में भी, जैसा कि अमेरिका की सैन्य कार्रवाई के रूप में आज वेनेजुएला में घटित हुआ है। यूएन चार्टर का अनुच्छेद 2 स्पष्ट कहता है कि संयुक्त राष्ट्र के तमाम सदस्य देश, अपने अन्तरराष्ट्रीय संबंधों में, किसी भी देश की क्षेत्रीय अखंडता और राजनैतिक स्वतंत्रता के विरुद्ध किसी तरह के बल प्रयोग से बचेंगे। इसमें ऐसे उपाय भी शामिल हैं जो संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्य से मेल नहीं खाते हों। महासभा अध्यक्ष ऐनालेना बेयरबॉक ने कहा कि यूएन चार्टर व अन्तरराष्ट्रीय क़ानून का सम्मान किया जाना, अन्तरराष्ट्रीय व्यवस्था की बुनियाद है। कुछ इसी प्रकार की अपील संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुटेरेस ने की कि यूएन चार्टर सहित अन्तरराष्ट्रीय क़ानून का पूर्ण सम्मान किए जाने की अहमियत को समझना होगा मैं गम्भीर रूप से चिन्तित हूँ कि अन्तरराष्ट्रीय क़ानून का सम्मान नहीं किया गया है।

संयुक्त राष्ट्र के दो शीर्ष नेतृत्वों की चिंता बरक्स जब कब्ज़े की संस्कृति की पड़ताल आज की जाए तो यह दुःख के साथ कहना पड़ रहा है कि संयुक्त राष्ट्र अब भीष्म व द्रोण की तरह साबित हो चुका है। उसकी अपील कोई सुनने को तैयार ही नहीं है। अपनी जिद पर अड़े अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को कोई भी ताकत आज झुकाने और मादुरो को तत्काल रिहा कराने की स्थिति में नहीं है। यह जो विकराल स्थिति बन रही है विश्व में वह बहुत ही खतरनाक है। यह वैश्विक स्तर पर मानवाधिकारवादियों की भी चिंता का विषय है। ग्रीनलैंड पर कब्ज़ा करने के पीछे भी अब ट्रंप पड़ेंगे और उसे अपनी जागीर साबित करने के लिए किसी भी स्तर पर उतरेंगे। उन्हें रोकने वाले देश या तो अमेरिका के साथ सैन्य कार्यवाही करें। अपने देश को अस्थिरता की ओर ले जाएँ या चुप होकर देखते रहें जैसे अपील करके संयुक्त राष्ट्र सबकुछ देखने को मजबूर है।

कब्ज़े की संस्कृति के पीछे छुपा अर्थशास्त्र बहुत विद्रूप भी होता है। यदि इस कब्ज़े की भूख पर वैश्विक अंकुश के लिए कोई ठोस रणनीति नहीं बनाई गयी तो आने वाले समय में यह एक बड़ी चुनौती होगी। इसमें गरीब किन्तु विभिन्न खनिज संपदा से समृद्ध देश बार-बार पिसेंगे और संभ्रांत साम्राज्यशाली देश उनके साथ खेलने की धृष्टता करते रहेंगे। यह संस्कृति वैश्विक अस्थिरता, संघर्ष व युद्ध की विभीषिका को आमंत्रित करने वाली है। अच्छा यह होगा कि एक बार इस पर विश्वव्यापी बहस अब हो और इसके लिए ऐसे चार्टर तैयार किए जाएँ जिससे छोटे वैभवशाली देश भी अपने वैभव के साथ सह-अस्तित्व पा सकें।

संविधान और जमीन के बीच फँसा नागरिक

शहर की सुबह अक्सर अख़बारों की सुर्खियों से नहीं, फुटपाथ पर सिमटी नींद से शुरू होती है। किसी बस स्टैंड के कोने में ठिठुरता शरीर, किसी निर्माणाधीन इमारत के साये में पड़ी चादर, किसी नाले के किनारे जलती छोटी-सी आग। यही वह दृश्य है जो भारत के तेज़ी से बढ़ते शहरी विकास के समानांतर चलता है। विकास की ऊँची इमारतों के नीचे एक ऐसी आबादी सांस लेती है जिसका कोई स्थायी पता नहीं होता। नोबल नॉन प्रॉफिट के मुताबिक भारत में बेघर लोगों की संख्या लगभग 1.77 मिलियन तक पहुँच चुकी है। यह कोई स्थिर आँकड़ा नहीं है। यह हर दिन बढ़ता हुआ सच है।

बेघर भारत

अजित लाड

वरिष्ठ पत्रकार और समीक्षक

भारत की आबादी का बड़ा हिस्सा आज भी गरीबी की रेखा के आसपास जीता है। इसी असुरक्षा की जमीन पर बेघर होने की समस्या फैलती चली जाती है। एक छोटी-सी बीमारी, काम का छूट जाना, गांव में सूखा, कर्ज़ का दबाव, पारिवारिक टूटन। ये सभी कारण किसी व्यक्ति को धीरे-धीरे उस स्थिति तक ले आते हैं जहाँ छत केवल आसमान रह जाती है। देश में बेघर लोगों की संख्या पुरुषों में अधिक है। अधिकतर की उम्र 18 से 60 वर्ष के बीच है। यही वह आयु है जिसे कामकाजी और उत्पादक माना जाता है। यही वह वर्ग है जो शहरों की अर्थव्यवस्था को चलाने में अदृश्य भूमिका निभाता है।

बेघर होने की समस्या का चेहरा ग्रामीण कम और शहरी अधिक है। अनुमान है कि भारत के लगभग 85 प्रतिशत बेघर लोग शहरों में रहते हैं। शहर अवसरों का वादा करते हैं। रोजगार का सपना दिखाते हैं। बेहतर जीवन की आशा जगाते हैं। इसी आशा के सहारे लाखों लोग गांवों से शहरों की ओर निकल पड़ते हैं। कुछ लोग निर्माण स्थलों पर पहुंचते हैं। कुछ ढाबों में काम करते हैं। कुछ रिक्शा चलाते हैं। कुछ अस्थायी मजदूरी में खप जाते हैं। सभी के पास एक बात समान होती है अस्थिरता।

'इंडिया इन फैक्ट्स' के आंकड़े बताते हैं कि उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 3,29,125 लोग बेघर हैं। महाराष्ट्र में यह संख्या 2,10,908 है। राजस्थान में 1,81,544 लोग इस स्थिति में जी रहे हैं। मध्य प्रदेश में 1,46,435 लोग बेघर हैं। ये केवल संख्या नहीं हैं। ये उतने ही अधूरे सपने हैं। उतनी ही टूटी हुई उम्मीदें हैं। उतनी ही कहानियाँ हैं जो किसी रिपोर्ट में दर्ज होकर ठहर जाती हैं। प्रवासी श्रमिकों की स्थिति इस संकट को और गहरा करती है। प्रेस इनफार्मेशन ब्यूरो के अनुसार जनगणना 2011 में देश में अंतरराज्यीय प्रवासी श्रमिकों की संख्या 4,14,22,917 दर्ज की गई थी। ये वे लोग हैं जिन्होंने अपने गांव, अपनी भाषा, अपनी पहचान से बाहर निकलकर नए प्रदेशों में श्रम बेचा। मध्य प्रदेश में ही 24,15,635 प्रवासी श्रमिकों के आने का रिकॉर्ड है। इन लोगों का बड़ा हिस्सा असंगठित क्षेत्र में काम करता है। इनके पास सामाजिक सुरक्षा नहीं होती। स्थायी आवास नहीं होता। कानूनी संरक्षण अक्सर कागजों तक सीमित रहता है।

देश के विभिन्न शहरों में यह संकट साफ़ दिखाई देता है। रेलवे स्टेशन के आसपास, सब्जी मंडी के पीछे, अस्पतालों के बाहर, पुलों के नीचे। प्रवासी कामगार और बेघर लोग दिन भर मेहनत करते हैं। शाम होते ही उनके पास लौटने के लिए कोई घर नहीं होता। नगर की रोशनी उनके लिए उत्सव नहीं होती। वह केवल एक और लंबी रात की शुरुआत होती है। इन परिस्थितियों में व्यक्ति की गरिमा पर सबसे गहरी चोट पड़ती है। संविधान हर नागरिक को गरिमा के साथ जीने का अधिकार देता है। सामाजिक और आर्थिक न्याय की बात करता है। समान अवसर की गारंटी देता है। जब कोई व्यक्ति खुले आसमान के नीचे सोने को मजबूर होता है, तब यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं होती। यह व्यवस्था की सामूहिक असफलता होती है। बेघर और प्रवासी लोग अक्सर अदृश्य माने जाते हैं। वे मतदाता सूची में होते हुए भी राजनीतिक प्राथमिकता नहीं बनते। वे शहर के निर्माण में शामिल होते हुए भी उसके लाभ से वंचित रहते हैं।

महामारी के समय यह सच्चाई और निर्मम रूप में सामने आई। पैदल चलते मजदूर, भूखे बच्चे, बंद फैक्ट्रियां, खाली जेबें। उस समय समाज ने पहली बार बड़े पैमाने पर उन्हें देखा। फिर धीरे-धीरे वे फिर से अनदेखे हो गए। बेघर होना केवल छत न होने का सवाल नहीं है। यह स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, पहचान सभी से जुड़ा है। बिना पैसे के इलाज मुश्किल हो जाता है। बच्चों की पढ़ाई टूट जाती है। पुलिस और प्रशासन के साथ संबंध डर और अविश्वास से भरे रहते हैं। महिलाओं और बच्चों के लिए यह स्थिति और अधिक असुरक्षित हो जाती है। शहरों की योजना में इन लोगों के लिए स्थान अक्सर नहीं होता।

स्मार्ट सिटी की कल्पना में फुटपाथ पर सोने वाला व्यक्ति फिट नहीं बैठता। विकास के नक्शों में उसकी जरूरतें नहीं दिखतीं। नाइट शेल्टर सीमित हैं। स्वच्छता सुविधाएं अपर्याप्त हैं। रोजगार योजनाएं कागज़ी बनकर रह जाती हैं। फिर भी इन चेहरों में जिजीविषा की कमी नहीं है। हर सुबह वे फिर काम की तलाश में निकलते हैं। किसी ठेकेदार की आवाज पर दौड़ पड़ते हैं। किसी निर्माण स्थल पर ईंट उठाते हैं। किसी होटल में बर्तन मांजते हैं। यह संघर्ष रोज़ दोहराया जाता है। बिना शिकायत। बिना मंच। ऐसे में सवाल यह है कि क्या यह देश इन नागरिकों को केवल श्रम की इकाई मानकर संतुष्ट रह सकता है। क्या विकास की परिभाषा में उनके लिए सुरक्षित आवास, स्थायी रोजगार, सामाजिक सुरक्षा शामिल नहीं होनी चाहिए। क्या संविधान के मूल्य केवल पुस्तकों में सजाने के लिए हैं।

अहमदाबाद हो या लखनऊ, मुंबई हो या जयपुर, हर शहर की आत्मा उसके सबसे कमजोर नागरिक से पहचानी जाती है। जब तक बेघर और प्रवासी लोग हाशिये पर रहेंगे, तब तक विकास अधूरा रहेगा। यह केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। यह समाज की सामूहिक चेतना का प्रश्न है। नागरिक होने का अर्थ केवल अधिकार लेना नहीं होता। जिम्मेदारी निभाना भी होता है। इन लोगों को दया नहीं चाहिए। उन्हें अवसर चाहिए। सम्मान चाहिए। स्थिरता चाहिए। जब किसी व्यक्ति को घर मिलता है, तब केवल एक छत नहीं मिलती। उसे पहचान मिलती है। सुरक्षा मिलती है। भविष्य की कल्पना करने की आजादी मिलती है। भारत जैसे युवा देश के लिए यह चेतावनी है। जो हाथ शहरों को बनाते हैं, यदि वही हाथ सबसे अधिक असुरक्षित हैं, तब व्यवस्था को स्वयं से प्रश्न पूछना होगा। बेघर और प्रवासी लोगों की कहानी किसी एक शहर की नहीं है। यह पूरे देश का आईना है। इस आईने में झांकने का साहस ही वास्तविक विकास की पहली शर्त है।

राजस्व विभाग के लालाजी

व्यंग्य

महेंद्र अग्रवाल

लेखक व्यंग्यकार हैं ।

राजस्व विभाग के सबसे अदने कर्मचारी को जो वास्तव में सीरियल वाले शक्तिमान की तरह सर्वशक्तिमान होता है, पटवारी कहते हैं। पटवारी कहने का सीधा सा आशय यही है जो सबको पटाने में और पटा पटाकर खाने खिलाने में माहिर हो। पुराने ज़माने से इन्हें लालाजी भी कहते हैं। मतलब-ला.. ला..जी! काम कराना है तो काम के हिसाब से ला। लायेगा तो ठीक वरना इस जनम यूं ही घर के चक्कर लगाता रहेगा। जो इस बात को समझ लेता है गांठ बांध लेता है वह भव सागर पार कर लेता है।

इनकी पदेन विशेषता है कि इनके पास कोई भी किसी भी काम से चला जाए ये कभी किसी को मना नहीं करते।क्यों बुरे बनें? ये बात अलग है कि काम होने में साल दो साल लग जायें। सरकारी आदमी हैं अपने दस्तख़त क्या किसी भी काग़ज़ पर ऐसे ही कर दें? वे जानते हैं अपने हस्ताक्षरों की असली क़ीमत। उनके दस्तख़त किये बिना तहसीलदार या अनुविभागीय अधिकारी भी कुछ नहीं कर सकते।फिर जल्दी क्या है? इसलिए ये जो भी करते हैं सोच समझकर करते हैं। अपने बच्चे भी पालने हैं और नौकरी भी बचानी है।सामने वाले का काम भी करना है।ऊपर वालों को खुश भी रखना है। आधी नौकरी तो बेचारों की सरकिट हाउस में खड़े-खड़े निकल जाती है। घर तो केवल खाना खाने या हाथ मुंह धोने जाते हैं। कभी बीबी-बच्चों की शक्ल देखने, उन्हें समझाने-बुझाने, खर्चा पानी देने, या फिर इसलिए कि कहीं अपने घर का रस्ता न भूल जायें।

अब आप बताइये काम कब करें? उस पर भी दिन भर फोन। कभी इसका कभी उसका। आधा दिन इसी में निकल जाता है।एक बार मुझे भी काम पड़ गया। मकान बनवाने के लिए जरूरी था कि भूखंड का विधिवत सीमांकन हो। आवेदन तो ऑनलाइन हो गया पर लालाजी ऑनलाइन न मिलें। डेढ़ साल में चौंसठ या अड़सठ चक्कर लगाये। भले आदमी थे सो काम की कभी मना न किये। जब भी मिलते अपनी व्यस्ततायें गिना देते और दीवानी न्यायालय की तरह अगली तारीख दे देते।जब चक्कर लगवाते उनका मन और पेट दोनों भर गये तब उन्होंने कृपा की।मौक़े पर पहुंचे, नाप तौलकर बताया कि खसरे में तो जगह पूरी लिखी है पर अक्स में कम है। पिछले पटवारी से गलती हो गई। अब हम न ज्यादा नाप सकते हैं, न रिपोर्ट में लिख सकते हैं। लाख दुहाई दी पर नतीजा ढाक के तीन पात। वे चाहते थे कि चिकना घड़ा वाला मुहावरा बदलकर उनका नाम जुड़ जाये पर ये मेरे हाथ में नहीं था।नतीज़ा भूमि के मामले में रूपये के साठ पैसे रह गये।

नगर के विधि विद्वानों से सलाह मशविरा किया तो उन्होंने प्रोफेसनली दो हजार लेकर क़ायदे से नक्शा दुरुस्ती का आवेदन लगवा दिया जो पहले चार महीने तो कार्यालय में पड़ा रहा। फिर दौड़ भाग की तो तहसीलदार के आदेश कराकर फाइल लालाजी तक पहुंचाई। अब उन पर काम का इतना बोझ कि मरने को फुरसत नहीं,रिपोर्ट कहां से लगायें? साल भर चक्कर लगा-लगाकर मन भर गया तो जाना छोड़ दिया।बुढ़ापे में भागदौड़ कर अपनी सांस फुलाने से क्या फायदा? बीपी बढ़ने से ब्रेन हैमरेज़ हो गया तो कौन संभालेगा? बच्चे तो दो हजार किलोमीटर दूर हैं और लालाजी तो आने से रहे।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा अग्निबाण पब्लिकेशन, 121, देवी अहिल्या मार्ग, इंदौर, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. रमेशचंद्र

लेखक व्यंग्यकार हैं।

नये वर्ष में दो गधों का विमर्श

ने ये वर्ष में दो गधे मिल कर विमर्श कर रहे थे। एक बोला -'मित्र, नया वर्ष आ गया और ऐसा लगता है कि जैसे आया ही नहीं।'

'तुम्हें ऐसा क्यों लगता है?' दूसरे गधे ने पूछा।

'इसलिए कि इस साल न तो किसी ने नये वर्ष का जश्न मनाया न धमाल किया। न पीकर कोई लुढ़का और न किसी ने किसी को पीटा और न किसी ने बम पटाखा फोड़ा।'

'यह तो तुम ठीक कह रहे हो मित्र, सचमुच कहीं भी कोई धूम-धड़ाका नहीं मचा, न किसी ने जोर शोर से चिल्ला कर कहा कि नया वर्ष आ गया है।' गधे की बात सुनकर पहले वाला भी उदास होकर गर्दन लटका कर बैठ गया।

'चिंता की एक बात यह भी? रही कि नये वर्ष में कोई लुढ़का लुढ़की पुलिसिए की गिरफ्त में भी नहीं आया। जबकि हर साल ? दो चार जोड़े तो बिचारे मुफ्त में पकड़ लिए जाते थे।' पहले वाले गधे ने फिर विमर्श टांग खींचते हुए कहा।

तब दूसरा भी भला चुप कैसे रहता। वह बोला - 'इस साल तो सचमुच कुछ भी मज़ा नहीं आया। पिछले साल तो शराब की बोतलों के साथ कई जवान लौंडिया भी पकड़ी गई थी।'

लेकिन यह नया साल मुआ आया भी खालिस। दोनों नये वर्ष के लोगों द्वारा जश्न न मनाए जाने से उदास थे। तभी एक बेवड़ा लड़खड़ाता और गिरता पड़ता हाथ में बोतल लिए उधर आ निकला। उसे पता ही नहीं था कि दो महान हस्तियां उसी के जैसे लोगों के मातम में दुखी और उदास बैठी है। जैसे ही वह पियक्कड़ इधर उधर हिलता डोलता हुआ उन दोनों गधों पर गिर पड़ा तो बेचारे दोनों घबरा कर उठ खडे हुए? और दोनों ने ची भों ची भों चिल्ला कर बारी बारी से दो दो लाते जमा कर उस बेवड़े का अभिनंदन किया।

वह बेवड़ा दोनों की सम्मानित लात खाकर गिर पड़ा और बोतल उसके हाथ से छूट गयी।वह नाराज हो कर बोला - 'अरे कम्बख्तों तुमने तो मेरा नशा ही हिरन कर दिया और बोतल भी खाली हो गयी।अब मैं क्या करूंगा?'

जब दोनों गधों को ज्ञात हुआ कि यह तो बेवड़ा है और नया वर्ष मनाता हुआ कहीं से आ रहा है।गलती से उन दोनों पर गिर पड़ा। वे पछताए कि उन्हें उस पर दुलत्ती नहीं चलानी थी। अतः दोनों उसके पास और बोले- 'भाई माफ करना,हम पहचान नहीं पाए कि तुम तो पी कर नया वर्ष मनाते हुए आ रहे हो।'

'हां, मैं अभी अभी नये साल का शानदार जश्न मना कर आ रहा था,मगर तुम दोनों ने सब गुड़ गोबर कर दिया।' वह बेवड़ा झूमता और बल खाता हुआ बोला।

'तो बंधु, हमें बताओं कि हम तुम्हारा नशा वापस लाने का क्या उपाय करें?' दोनों गधों ने सहयोग की मंशा प्रकट करते हुए कहा।

बेवड़े को उम्मीद नहीं थी कि ये वैशाखनंदन उसकी पीने की इच्छा भी पूरी कर सकते हैं।उसने कहा - 'यह तो तुम दोनों ने बड़े काम की बात बताई। ऐसा करो,जरा आस पास कोई वाईन शाप हो तो मुझे वहां तक ले चलो। वहां नयी बोतल लेकर फिर से हलक के नीचे उतार कर अपनी कमी पूरी कर लूंगा।'

दोनों गधों ने एक-दूसरे को देखा।फिर आपस में मूक वार्ता करते हुए उन्होंने उस बेवड़े से कहा -'हम तुम्हें वहां तक तो ले चलेंगे लेकिन वहां तुम्हें छोड़ कर हम आगे बढ़ जाएंगे।'

'ठीक है? मित्रों, वहां तक तो ले चलो।'

दोनों गधों ने उस बेवड़े को इस तरह से बिठाया कि एक गधे पर उसकी दोनों टांगें फैली थी और दूसरे गधे पर उसके भारी भरकम पुट्ठे थे। जब दोनो गधे साथ साथ चलने लगे तो वह बेवड़ा बड़ा खुश होकर बोला - 'वाह क्या बात है,ऐसा आनंद तो मुझे पूरे जीवन में नहीं मिला।आज तो सचमुच मज़ा आ गया।'

दोनों गधे इस बात पर खुश थे कि उन्हें नया वर्ष मनाने वाला एक शख्स जो मिल गया था।

जैसे ही एक वाईन शाप आई, दोनों गधों ने कहा - 'भाई, आपकी मंजिल आ गयी है उतर जाओ।'

'मेरी मंजिल आ गई, बहुत बहुत शुक्रिया मित्रों..!' यह कह कर बेवड़ा जैसे ही उतरने लगा वैसे ही गिर पड़ा।

दोनों गधों ने उसकी ओर देखा और बोले - 'यार, तुम कैसे बेवड़े हो,ठीक से उतर भी नहीं सकते'

और वे यह कह कर अपनी अपनी मंजिल की ओर बढ़ गये।

स्मृति शेष: ज्ञानरंजन

संदीप सृजन

लेखक स्तंभकार हैं।

हिंदी साहित्य को विद्रोही स्वर प्रदान करने वाले कथाकार

ज्ञानरंजन हिंदी साहित्य की दुनिया में एक ऐसा नाम है जो कहानी विधा को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाले रचनाकारों में शुमार रहे वे न केवल एक उत्कृष्ट कहानीकार थे, बल्कि 'पहल' जैसी प्रतिष्ठित साहित्यिक पत्रिका के संपादक के रूप में भी जाने जाते हैं। उनकी रचनाएं मानव संबंधों की जटिलताओं, सामाजिक विडंबनाओं और व्यक्तिगत संघर्षों को इतनी गहराई से उकेरती हैं कि पाठक खुद को उनमें झांकता हुआ पाता है। साठोत्तरी पीढ़ी के प्रमुख लेखकों में से एक ज्ञानरंजन का योगदान हिंदी साहित्य को आधुनिकता और विद्रोही स्वर प्रदान करने में अहम रहा है।

ज्ञानरंजन का जन्म 21 नवंबर 1936 को महाराष्ट्र के अकोला जिले में हुआ था। उनका बचपन और किशोरावस्था विभिन्न शहरों में बीती, जिसमें अजमेर, दिल्ली और बनारस शामिल हैं। उच्च शिक्षा उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से प्राप्त की, जहां डॉ. धीरेंद्र वर्मा से लेकर धर्मवीर भारती तक जैसे विद्वान उनके शिक्षक रहे। इलाहाबाद उनके लिए प्रिय शहर रहा, जहां उन्होंने साहित्यिक माहौल में खुद को तराशा। बाद में वे जबलपुर में स्थायी रूप से बस गए, जहां से उन्होंने अपनी साहित्यिक गतिविधियां संचालित की, यहीं जबलपुर विश्वविद्यालय से उन्हें मानद डॉक्टर ऑफ लिटरेचर की उपाधि भी मिली।

उनका पारिवारिक पृष्ठभूमि साधारण थी, लेकिन साहित्य के प्रति उनकी रुचि बचपन से ही थी। साठ के दशक में वे 'चार यार' मंडली के सदस्य बने, जिसमें दूधनाथ सिंह, काशीनाथ सिंह और रवींद्र कालिया जैसे लेखक शामिल थे। यह मंडली हिंदी साहित्य में एक नई लहर लेकर आई, जो परंपरागत साहित्य से विद्रोह करती हुई आधुनिक मुद्दों पर केंद्रित थी। ज्ञानरंजन की सोच में विद्रोह का तत्व प्रमुख था- चाहे वह सामाजिक मानदंडों के खिलाफ हो या अंतरंग रिश्तों के प्रति। उन्होंने कभी भी साहित्य को मात्र मनोरंजन का माध्यम नहीं माना, बल्कि इसे समाज की आलोचना और आत्म-निरीक्षण का उपकरण बनाया। उनकी जीवनशैली सादगीपूर्ण रही। वे लेखन में गुणवत्ता पर जोर देते थे, यही कारण है कि उन्होंने मात्र 25 कहानियां लिखीं और फिर लेखन बंद कर दिया। उनका मानना था कि केवल सर्वोत्तम रचनाएं ही दुनिया के सामने आनी चाहिए। उनके साक्षात्कार अक्सर विवादास्पद होते थे, जैसे नामवर सिंह के लेखन पर उनकी टिप्पणियां, जो साहित्यिक जगत में बहस छेड़ देती थीं।

ज्ञानरंजन का साहित्यिक योगदान मुख्य रूप से कहानी विधा में है, लेकिन उन्होंने संस्मरण, निबंध, संपादकीय और साक्षात्कार भी लिखे। वे साठोत्तरी कहानी आंदोलन के प्रमुख स्तंभ थे, जहां कहानियां यथार्थवाद से आगे बढ़कर व्यक्तिवाद और सामाजिक विडंबनाओं को छूती हैं। उनकी रचनाएं मानव मन की गहराइयों को खंगालती हैं, जहां संबंधों की जटिलता, अलगाव और अस्तित्व की व्यर्थता प्रमुख थीम हैं। उनकी कहानियां सामान्य जीवन की असामान्य घटनाओं को केंद्र में रखती हैं। उदाहरणस्वरूप, उनकी रचनाएं पिता-पुत्र संबंध, प्रेम की विफलताएं और सामाजिक बंधनों को तोड़ने की कोशिशों को दर्शाती हैं। ज्ञानरंजन ने साहित्य को एक संग्रहालय की तरह देखा, जहां हर विभाग को भरा-पूरा होना चाहिए। उनका लेखन विद्रोही है, लेकिन सूक्ष्म और संवेदनशील। उन्होंने हिंदी साहित्य को वैश्विक स्तर पर पहुंचाया, क्योंकि उनकी कहानियां रूसी, अंग्रेजी और अन्य भाषाओं में अनूदित हुईं। लंदन पेंग्विन की भारतीय साहित्य एंथोलॉजी में उनकी कहानी शामिल होना इसका प्रमाण है।

उनका योगदान केवल लेखन तक सीमित नहीं। उन्होंने युवा लेखकों को प्रोत्साहित किया और साहित्यिक पत्रिकाओं के माध्यम से नई प्रतिभाओं को मंच दिया। उनकी रचना प्रक्रिया अनोखी थी- वे कहानी को जीवन के अनुभवों से निकालते थे, लेकिन उसे कलात्मक रूप से गढ़ते थे। जैसे उनकी कहानी 'पिता' में पिता-पुत्र के संबंध की विडंबना इतनी जीवंत है कि पाठक भावुक हो जाता है। कुल मिलाकर, ज्ञानरंजन ने हिंदी कहानी को एक नया आयाम दिया, जहां व्यक्तिगत अनुभव सामाजिक संदर्भ से जुड़ते हैं। कहानियों के अलावा, उन्होंने 'कबाड़खाना' नामक संकलन में संस्मरण, संपादकीय, निबंध और पत्र एकत्र किए। 'उपस्थिति का अर्थ' उनकी व्याख्यानों, वक्तव्यों और साक्षात्कारों पर आधारित पुस्तक है। एक उपन्यास-अंश भी उन्होंने लिखा, लेकिन पूरा उपन्यास नहीं। उनकी रचनाएं दूरदर्शन पर फिल्माई गईं और अमेरिका में 'विलेज वॉयस' द्वारा फिल्म निर्माण हुआ। ओसाका, लंदन, सैन फ्रांसिस्को जैसे विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में उनकी कहानियां पढ़ाई जाती हैं। इन रचनाओं में ज्ञानरंजन की शैली सरल लेकिन गहन है। वे वाक्यों को इतनी सटीकता से गढ़ते थे कि हर शब्द अर्थपूर्ण लगता है। उनकी कहानियां पाठक को सोचने पर मजबूर करती हैं, और यही उनकी सफलता का राज है।

ज्ञानरंजन का संपादन कार्य उनके साहित्यिक योगदान का अभिन्न अंग है। वे 'पहल' पत्रिका के संस्थापक संपादक थे, जिसे हिंदी साहित्य की सबसे प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में गिना जाता है। 1973 में शुरू हुई 'पहल' ने आपातकाल के दौरान भी अपनी स्वतंत्रता बनाए रखी। उन्होंने 90 अंक निकाले, फिर 2008 में संपादन बंद किया। 2013 में अंक-91 से दूसरी पारी शुरू हुई, जो अप्रैल 2021 तक (अंक-125) चली। अंतिम अंक को उन्होंने अंतिम घोषित किया। 'पहल' ने हिंदी साहित्य को नई दिशा दी। इसमें प्रगतिशील, वामपंथी और आधुनिक विचारों वाली रचनाएं प्रकाशित हुईं। ज्ञानरंजन ने इसमें युवा लेखकों को स्थान दिया, जिससे कई नई प्रतिभाएं उभरीं। पत्रिका का संपादकीय हमेशा विचारोत्तेजक होता था, जो सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों पर टिप्पणी करता था। आपातकाल के दौरान भी 'पहल' ने सेंसरशिप का सामना किया लेकिन अपनी आवाज नहीं खोई। यह पत्रिका हिंदी साहित्य की धरोहर है, और ज्ञानरंजन का संपादन कौशल इसमें स्पष्ट दिखता है।

ज्ञानरंजन को उनके योगदान के लिए कई पुरस्कार मिले। इनमें सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान का साहित्य भूषण सम्मान, अनिल कुमार और सुभद्रा कुमारी चौहान पुरस्कार, मध्यप्रदेश शासन का शिखर सम्मान तथा राष्ट्रीय मैथिलीशरण गुप्त सम्मान शामिल हैं। जबलपुर विश्वविद्यालय द्वारा मानद डी.लिट. भी प्रदान किया गया। ये सम्मान उनके साहित्यिक महत्व को रेखांकित करते हैं। ज्ञानरंजन हिंदी साहित्य के एक ऐसे स्तंभ थे जिन्होंने कहानी को नई गहराई दी और संपादन के माध्यम से साहित्यिक संस्कृति को समृद्ध किया। उनकी रचनाएं आज भी प्रासंगिक हैं, क्योंकि वे मानव जीवन की शाश्वत समस्याओं को छूती हैं। 7 जनवरी 2026 को उनके निधन से हिंदी साहित्य ने एक महान कथाकार खो दिया, लेकिन उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। वे साहित्य के विद्रोही योद्धा थे। भविष्य की पीढ़ियां उन्हें सदैव याद रखेंगी। विनम्र श्रद्धांजलि...।

प्रवासी भारतीय दिवस विशेष

अरूण कुमार डनायक

लेखक भारतीय स्टेट बैंक के सेवानिवृत्त सहायक महाप्रबंधक हैं।

गांधी की विरासत से वैश्विक भारत तक

भारत विश्व का सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय वाला देश है। 1990 में जहाँ प्रवासी भारतीयों की संख्या लगभग 66 लाख थी, आज विश्व भर में लगभग 3.5 करोड़ भारतीय रहते हैं, जिनमें करीब 1.6 करोड़ अप्रवासी भारतीय और लगभग 1.95 करोड़ विदेशी नागरिकता प्राप्त भारतीय मूल के लोग शामिल हैं। विभिन्न अनुमानों के अनुसार अमेरिका में 55 लाख, संयुक्त अरब अमीरात में 36 लाख और मलेशिया में 28 लाख भारतीय मूल के लोग निवास करते हैं । इसके अलावा अन्य देशों में भी बड़ी संख्या में भारतीय बसे हुए हैं। खाड़ी देशों में कुल प्रवासी भारतीयों का लगभग आधा हिस्सा निवास करता है । यूरोप और खाड़ी देशों में भारतीय कुशल एवं अर्ध-कुशल पेशेवरों की बढ़ती मांग के चलते श्रमिकों की अंतरराष्ट्रीय आवाजाही अब केवल आर्थिक विषय नहीं रह गई है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक संवाद का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई है । आज भारत कई देशों के साथ द्विपक्षीय समझौतों में कौशल-आधारित श्रम सहयोग, सामाजिक सुरक्षा और सुरक्षित आव्रजन को केंद्रीय विषय के रूप में आगे बढ़ा रहा है।

इतिहास की कुछ तिथियाँ केवल अतीत की स्मृति नहीं, भविष्य की दिशा भी तय करती हैं। 9 जनवरी ऐसी ही एक तिथि है, जब 1915 में महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे और स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा मिली। राजनीतिक निराशा के दौर में उन्होंने देश का भ्रमण कर भारत की आत्मा को समझा और व्यापक जन-आंदोलन की नींव रखी। इसी ऐतिहासिक वापसी की स्मृति में 9 जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस मनाया जाता है–जो गांधीजी की विरासत और विदेशों में बसे भारतीयों के योगदान दोनों का सम्मान करता है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय वाला देश है। 1990 में जहाँ प्रवासी भारतीयों की संख्या लगभग 66 लाख थी, आज विश्व भर में लगभग 3.5 करोड़ भारतीय रहते हैं, जिनमें करीब 1.6 करोड़ अप्रवासी भारतीय और लगभग 1.95 करोड़ विदेशी नागरिकता प्राप्त भारतीय मूल के लोग शामिल हैं। विभिन्न अनुमानों के अनुसार अमेरिका में 55 लाख, संयुक्त अरब अमीरात में 36 लाख और मलेशिया में 28 लाख भारतीय मूल के लोग निवास करते हैं । इसके अलावा अन्य देशों में भी बड़ी संख्या में भारतीय बसे हुए हैं। खाड़ी देशों में कुल प्रवासी भारतीयों का लगभग आधा हिस्सा निवास करता है। यूरोप और खाड़ी देशों में भारतीय कुशल एवं अर्ध-कुशल पेशेवरों की बढ़ती मांग के चलते श्रमिकों की अंतरराष्ट्रीय आवाजाही अब केवल आर्थिक विषय नहीं रह गई है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक संवाद का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई है । आज भारत कई देशों के साथ द्विपक्षीय समझौतों में कौशल-आधारित श्रम सहयोग, सामाजिक सुरक्षा और सुरक्षित आव्रजन को केंद्रीय विषय के रूप में आगे बढ़ा रहा है।

भारत पिछले कई वर्षों से विश्व में सर्वाधिक रेमिटेंस प्राप्त करने वाला देश है। प्रवासी भारतीयों द्वारा भेजा गया रेमिटेंस न केवल विदेशी मुद्रा भंडार को सुदृढ़ करता है, बल्कि अर्थव्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्टार्टअप सहित छोटे व्यवसायों को भी आधार देता है। जून 2025 तक भारतीय बैंकों में एनआरआई जमाराशियाँ लगभग 3.6 बिलियन डॉलर रहीं, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में रेमिटेंस बढ़कर 135.46 बिलियन डॉलर पहुँच गया–पिछले वर्ष से करीब 14 प्रतिशत अधिक, जो वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच प्रवासी भारतीयों के भरोसे और निरंतर योगदान को दर्शाता है।

प्रवासी भारतीयों ने विज्ञान और शिक्षा में वैश्विक नवाचार को बढ़ावा दिया–जैसे कल्पना चावला, सत्य नडेला और सुंदर पिचाई; राजनीति में ऋषि सुनक, अनिरुद्ध जगन्नाथ ,महिला प्रवासियों ने व्यापार और सामाजिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया–जैसे इंदिरा नूयी, और मीरा नायर; वहीं रविशंकर, जुबिन मेहता जैसे कलाकारों ने सांस्कृतिक उपलब्धियों के माध्यम से भारत की वैश्विक छवि को सशक्त किया। संकट की घड़ियों में प्रवासी भारतीयों की भूमिका और भी स्पष्ट होती है–कोविड-19 के दौरान रेमिटेंस जीवनरेखा बना रहा, जबकि 2018 की केरल बाढ़ में खाड़ी देशों से व्यापक आर्थिक और राहत सहायता पहुँची। राष्ट्रीय स्वाभिमान के संकट में भी प्रवासी भारतीय भारत के साथ मजबूती से खड़े रहे। इसका सशक्त उदाहरण मई 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षण हैं, जब प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भारत ने अपनी परमाणु क्षमता का सार्वजनिक प्रदर्शन किया। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के प्रशासन ने ग्लेन संशोधन के तहत अनेक आर्थिक प्रतिबंध लगाए। इस चुनौतीपूर्ण समय में वाजपेयी के आह्वान पर एनआरआई समुदाय ने रेमिटेंस बढ़ाया इससे विदेशी मुद्रा भंडार को स्थिरता मिली और प्रतिबंध काफी हद तक निष्प्रभावी हुये। यह सहयोग आर्थिक ही नहीं, बल्कि भारत की संप्रभुता और आत्मसम्मान के प्रति प्रवासी भारतीयों की गहरी प्रतिबद्धता का प्रमाण था।

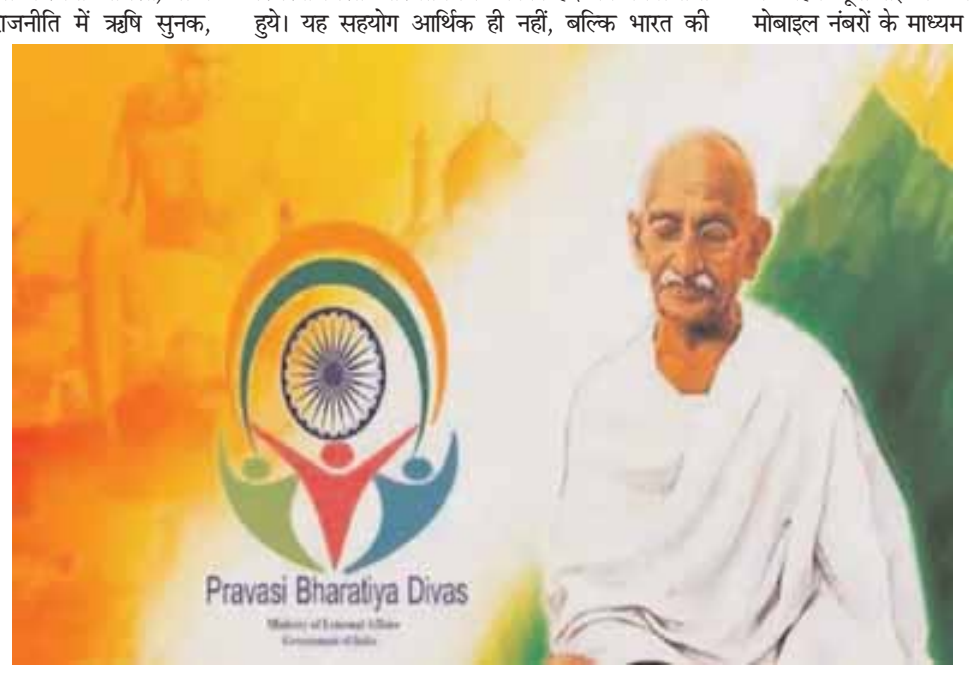

भारत सरकार और रिज़र्व बैंक ने प्रवासी भारतीयों को विकास-यात्रा से जोड़ने के लिए कई पहलें की हैं। ओसीआई कार्ड ने वीज़ा-मुक्त यात्रा, संपत्ति स्वामित्व और व्यापारिक भागीदारी को आसान बनाया है, जबकि एनआरई/एनआरओ खाते और एफसीएनआर जमाएँ सुरक्षित निवेश व कर रियायतें देती हैं। डिजिटल भारत के तहत यूपीआई के अंतरराष्ट्रीय विस्तार से विदेशी मोबाइल नंबरों के माध्यम से भी भारत में भुगतान और लेन-देन संभव हुआ है। इसके अतिरिक्त, विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के नियमों को सरल बनाकर निवेश, व्यापार और रेमिटेंस से जुड़ी प्रक्रियाओं को आसान किया गया है। कर नियमों के अनुसार एनआरआई की वही आय भारत में करयोग्य मानी जाती है जो भारत में स्थित संपत्ति, व्यापार, सेवाओं या आय-स्रोत से उत्पन्न हो–जैसे संपत्ति के हस्तांतरण से पूंजीगत लाभ, भारत में दी गई सेवाओं का वेतन, भारतीय कंपनियों से लाभांश, ब्याज तथा भारत से जुड़ी रॉयल्टी या तकनीकी सेवा शुल्क। साथ ही, दोहरी कराधान से बचाव समझौतों के माध्यम से सरकार यह सुनिश्चित करती है कि एक ही आय पर भारत और विदेश–दोनों जगह कर न देना पड़े, जिससे प्रवासी भारतीयों को कर-राहत मिलती है। संकट की घड़ी में हेल्पलाइन, पासपोर्ट सेवाएँ और कांसुलर सहायता यह सुनिश्चित करती हैं कि प्रवासी विदेश में भी देश का संरक्षण और सहयोग पा सकें। प्रवासी भारतीय चाहते हैं कि निवेश प्रक्रियाएँ सरल और पारदर्शी हों, दोहरी नागरिकता पर व्यापक संवाद हो, और संपत्ति, कर व उत्तराधिकार कानून स्पष्ट हों, ताकि वे दीर्घकालीन योजना बना सकें। साथ ही, वे अपने बच्चों को शिक्षा, संस्कृति और भाषा के माध्यम से भारत से जुड़े रहने के पर्याप्त अवसर चाहते हैं, जिससे आने वाली पीढ़ियाँ अपनी जड़ों और पहचान के साथ दृढ़ता से जुड़ी रहें। ट्रम्प प्रशासन द्वारा लागू उच्च टैरिफ और पेशेवर भारतीयों से जुड़े वीज़ा निर्णय वहां बसे भारतीयों के लिए चिंता का विषय हैं, जिससे रोज़गार और आय पर दबाव पड़ा और भारत से आयातित वस्तुएं महँगी हुई हैं; इस संदर्भ में वे भारत सरकार से प्रभावी कूटनीतिक हस्तक्षेप की अपेक्षा रखते हैं।

प्रवासी भारतीय दिवस केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य का संकल्प है। कभी जिन्हें ब्रेन ड्रेन का प्रतीक माना गया, वही प्रवासी आज ब्रेन गेन और इनकम गेन के रूप में ज्ञान, तकनीक, निवेश और वैश्विक नेटवर्क के माध्यम से भारत की सामर्थ्य बन चुके हैं। उनकी उद्यमिता और नवाचार आर्थिक शक्ति को सुदृढ़ करते हैं, जबकि संस्कृति, भाषा और मूल्यों का प्रसार भारत की सॉफ्ट पावर को वैश्विक स्तर पर मजबूत करता है। भौगोलिक दूरी के बावजूद उनकी जड़ें भारत में हैं, और उनकी बौद्धिक व आर्थिक भागीदारी भारत को उभरती शक्ति से आगे बढ़ाकर वैश्विक नेतृत्व की ओर ले जाती है। प्रवासी भारतीय दिवस हमें याद दिलाता है कि जहाँ भी भारतीय हैं, वहाँ भारत जीवित है–आर्थिक सामर्थ्य, सांस्कृतिक चेतना और मानवीय मूल्यों के साथ।

स्मृति-शेष

निशांत कौशिक

ज्ञानरंजन: ज्वालामुखी के पड़ोस में एक घर

ज्ञानरंजन की कहानियों और ख़ासकर उनके निबंध 'तारामंडल के नीचे एक आवारागर्द' में उनकी शहरों के प्रति एक अदम्य बेचैनी और आकर्षण दिखता था, जो अक्सर मैंने कहानियों में नहीं देखा था। अक्सर कहानियाँ गाँव-शहर की बाइनरी पर टहल कर ख़त्म हो जाती थीं; ज्ञानरंजन ने अपने एक निबंध में ख़ुशवंत सिंह, मोहन राकेश और सत्यजित राय को भी इस पर घेरा था। वे वाल्टर बेन्यामिन को अक्सर उद्धृत करते थे। आधुनिक शहरों के बदलाव और पूँजीवाद के संदर्भ में कला और शहर का संबंध वाल्टर बेन्यामिन ने तन्मयता से टटोला था; उसकी बानगी प्रयास ज्ञान जी की कहानियों में दिखता था। 'अनुभव' और 'रचना प्रक्रिया' जैसी कहानियों में शहर ही एक किरदार है।

यह वह समय है जब ज्ञानरंजन पर लिखना केवल उन पर लिखना नहीं रहेगा बल्कि उनके साथ आपके संबंधों पर भी रहेगा जो आत्मीय थे, उसमें अजनबियत और स्निग्धता–दोनों के लिए जगह थी।

ज्ञान जी की कहानियों और पहल के उनके संपादन पर चर्चा असमाप्त है, यह उनकी प्रतिबद्धता, निष्ठा और योगदानों पर भी चर्चा का भी समय है और इस तरह बात करने के तीन पहलू रहे हैं– पहल पत्रिका, उनकी कहानियाँ और उनका जीवन।

मैं इन तीनों ही के इतने संपर्क में रहा कि उन पर कुछ कह लिख सकूँ। उनके जीवन से वही प्रसंग याद आते हैं जो भिन्न मुलाक़ातों और कॉफ़ी हाउस की बैठकों में रहे, जहाँ वे महादेवी वर्मा पर उसी उत्साह से बात करते थे जितना गुंटर ग्रास की 'डॉग इयर्स' पर और यह कि उनका प्रिय कवि बौदलेयर है।

ज्ञानरंजन की कहानियों और ख़ासकर उनके निबंध 'तारामंडल के नीचे एक आवारागर्द' में उनकी शहरों के प्रति एक अदम्य बेचैनी और आकर्षण दिखता था, जो अक्सर मैंने कहानियों में नहीं देखा था। अक्सर कहानियाँ गाँव-शहर की बाइनरी पर टहल कर ख़त्म हो जाती थीं; ज्ञानरंजन ने अपने एक निबंध में ख़ुशवंत सिंह, मोहन राकेश और सत्यजित राय को भी इस पर घेरा था।

वे वाल्टर बेन्यामिन को अक्सर उद्धृत करते थे। आधुनिक शहरों के बदलाव और पूँजीवाद के संदर्भ में कला और शहर का संबंध वाल्टर बेन्यामिन ने तन्मयता से टटोला था; उसकी बानगी प्रयास ज्ञान जी की कहानियों में दिखता था। 'अनुभव' और 'रचना प्रक्रिया' जैसी कहानियों में शहर ही एक किरदार है।

वे कहते थे कि उनका यह शहर के प्रति लगाव 'उर्दू ग़ज़ल' नहीं है; अपनी तमाम उलजलुलियत के बावजूद इस लगाव को वे बहुत संजीदगी से लेते हैं। यह शहर रियल एस्टेट की इमारतों वाली भूल-भुलैया नहीं है, अस्मिता की खोज है, पोडियम के पीछे खड़ा आदमी है और दुनिया को एक जगह से देखने का

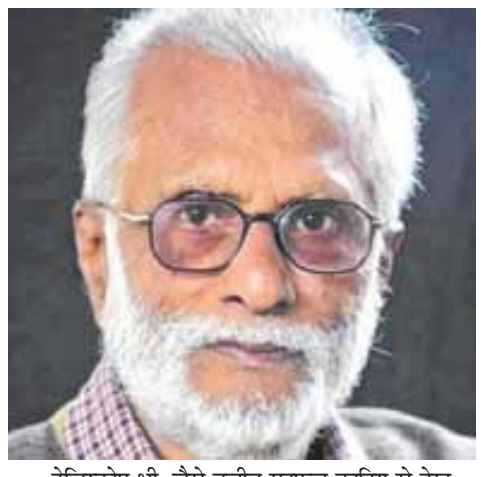

टेलिस्कोप भी–जैसे नजीब महफ़ूज़ क़ाहिरा से देख रहे थे। इसीलिए उनकी कहानियों और निबंधों में वे राम और गांधी का अपने घर छोड़ बाहर निकलने के साहस के साथ-साथ यात्राओं और उज़्बेकिस्तान के क़हवाघरों की बातें सहजता से करते थे।

विश्व साहित्य और सभ्यताओं से यह परिचय और समीक्षा उन्हें सावधान पाठक और उससे अधिक सावधान संपादक बनाती थी। इसीलिए विचारधारा और संस्कृति उनके लिए कोई नॉस्टेल्जिया नहीं था, जिसके लिए वे मर्सिया रचें या कहानी में गुमगीन होने को सिफ़त में बदल दें। यह मेरा पाठ है कि इस महादेश को देखने की बहुत-सी आँखें हैं; निर्मल वर्मा पर उनकी इसी संदर्भ में शायद टिप्पणी रही होगी कि जैसे निर्मल वर्मा के हर उपन्यास अंत में 'वे दिन' हो जाते हैं–मुझे भी इलाहाबाद के वे दिन याद आ रहे हैं।

ज्ञानरंजन इलाहाबाद से जबलपुर आकर बस गए–वजहें बहुत रही होंगी; परसाई और मुक्तिबोध का यहाँ होना, नौकरी, या अन्य कुछ। इलाहाबाद जिस क़दर फल-फूल रहा था या जितना सजीव था, वहाँ से यूँ चले आने का क्या अर्थ होगा। उनकी कहानी 'अमरूद के पेड़' में यही धुँधलाते रोमांटिक का 'चकत्ता' है। अपनी कहानी 'रचना प्रक्रिया' में भी एक जगह वे कहते हैं कि 'अगर आप बड़ी हस्ती नहीं हैं, तो वहाँ चले जाइए जहाँ जनसंख्या उफ़न रही हो।'

बहरहाल, आज से लगभग बीस बरस पहले मैं उनसे मिला था, जब मेरे दादा भूपेन्द्रनाथ फ़िक्र मुझे एक पहल सम्मान में ले गए थे–तब ज्ञानरंजन जी के गाल धँसे हुए नहीं थे, दाढ़ी झक सफ़ेद थी और आवाज़ में खनक थी। तब से आज तक उनसे कइयों दफ़ा मिला। मिलकर और न मिलकर भी उन्हें खोजता रहा–जैसे कोई मुअम्मा, जो सुलझ कर और उलझता जाए।

वह अब एक पहाड़ हैं, जिसे सुई से भी नहीं कुरेदा है अभी–इसमें पहल से संबंधित ढेरों क़िस्से हैं, इमरजेंसी की स्मृतियाँ होंगी और इन सबके बीच तनी पीठ से चलते ज्ञानरंजन।

वे कहते थे कि आदमी को ज्वालामुखी के नज़दीक घर बसाना चाहिए। आज नदी किनारे उनकी चिता धधकती है। मेरे भीतर आग और राख–दोनों की स्मृतियाँ हैं। उन्हें प्रणाम।

रावल परिवार द्वारा धार नगर का 27वां नेत्रदान

प्रेम रावल एवं शैलेंद्र रावल की माताजी शकुंतला देवी के निधन पर परिजनों ने किए नेत्रदान

धार। लाडगली निवासी स्वर्गीय वसुदेव जी रावल की धर्मपत्नी और प्रेम रावल एवं शैलेंद्र रावल की माताजी शकुंतला देवी का 83 वर्ष की उम्र में गुरुवार को निधन हो गया था । परिजनों ने उनके नेत्रदान हेतु धार मानव सेवा कल्याण समिति से संपर्क किया। समिति ने भोज हॉस्पिटल के नेत्र विभाग के डॉ सौरभ बौरासी और उनके सहायक पीयुष परमार के माध्यम से नेत्रदान की प्रक्रिया सम्पन्न की। ये समिति द्वारा धार नगर में किया गया 27 वां नेत्रदान है। समिति द्वारा माताजी को श्रद्धांजलि देते हुए रावल परिवार का नेत्रदान हेतु आभार व्यक्त किया गया ।

शैक्षणिक सत्र 2026-27 में

स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को सीयूईटी परीक्षा देना अनिवार्य

भोपाल (नप्र)। शैक्षणिक सत्र 2026-27 में स्नातकोत्तर (पीजी) कक्षाओं में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य कर दिया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुसार, सीयूईटी परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश मिलेगा। स्नातकोत्तर में प्रवेश के लिए सीयूईटी परीक्षा में आवेदन करने की अंतिम तारीख 14 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है। वर्तमान में विद्यार्थियों के पास आवेदन करने के लिए केवल एक सप्ताह का समय शेष है। आवेदन प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन होगी। इस संबंध में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के पत्र के आधार पर उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए जा चुके हैं।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार, स्नातक डिग्री उत्तीर्ण विद्यार्थी अपने मेजर या माइनर विषय में स्नातकोत्तर की पढ़ाई के लिए पात्र होंगे। हालांकि, इसके लिए विद्यार्थियों को संबंधित विषय में सीयूईटी अथवा विश्वविद्यालय-स्तरीय प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात ही प्रवेश की प्रक्रिया पूर्ण की जा सकेगी।

सीयूईटी परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण तिथियां

ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथिः 14 जनवरी 2026 (रात 11:50 बजे तक)

आवेदन में संशोधन की तारीखः 18 जनवरी 2026 से 20 जनवरी 2026 (रात 11:50 बजे तक)

दमोह में पूरे परिवार ने फांसी लगाकर किया सुसाइड

पति-पत्नी-डेढ़ साल की बेटी की मौत, दरवाजा तोड़कर निकाली लाशें

दमोह (नप्र)। दमोह के तेंदूखेड़ा में गुरुवार सुबह पति-पत्नी और उनकी डेढ़साल की बेटी के शव घर में ही फंदे पर लटके मिले। पड़ोसियों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमॉर्ट्म के लिए भिजवाया।

जानकारी के मुताबिक मनीष केवट (30), पत्नी दसौदा केवट और डेढ़ साल की की बेटी आरोही के साथ तेंदूखेड़ा के वार्ड क्रमांक एक में रहता था। मनीष मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

मनीष केवट, दसौदा केवट, आरोही (बेटी)

साली ने दरवाजा खुलवाया, तो कोई हलचल नहीं हुई- मनीष केवट की साली और दसौदा की बहन भी घटनास्थल पर पहुंची। उसने बताया कि उसे घटना के बारे में कोई जानकारी नहीं है। जब वह घर पहुंची और दरवाजा खुलवाया, तो अंदर से कोई हलचल नहीं हुई। दरवाजा तोड़ने पर अंदर तीनों के शव फंदे से लटके मिले।तेंदूखेड़ा थाना प्रभारी रविंद्र बागरी ने बताया कि शवों को पोस्टमॉर्ट्म के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दिया है।

एसपी बोले- दीवार पर कुछ लिखा है, जांच कर रहे- दमोह एसपी श्रुतिकीर्ति सोमवंशी ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। एसपी ने कहा- फिलहाल कोई स्पष्ट कारण समझ नहीं आ रहा है। पड़ोसियों और परिजन के बयान लिए जा रहे हैं। दीवार पर कुछ लिखा है, उसे भी जांच में लिया है। डॉक्टरों के पैनल से तीनों शवों का पीएम कराया जाएगा।

एशियन वाटर बर्ड सेंसस 2026 का सफल आयोजन

दतिया। दतिया जिले में वन विभाग द्वारा जलीय स्थलों जैसे रामसागर ताल, अंगूरी बैराज, सीतासागर, करन सागर, सिंध नदी, महुआर नदी आदि स्थलों पर एशियन वाटर बर्ड सेंसस 2026, 3 एवं 4 जनवरी को सफलतापूर्वक सम्पन्न किया गया। इस अवसर पर सभी चिन्हित जलाशयों एवं आर्द्रभूमि पर पक्षियों की प्रजातियों की पहचान एवं गणना की गई। यह गणना श्री मो. माज, वनमंडलाधिकारी के निर्देशन में श्रीमती प्रीति शाक्य उ.व.मं.अ. दतिया एवं वन विभाग की टीम तथा पाँच प्रशिक्षित वॉलंटियर्स (बर्ड वॉचर्स) श्री विवेक वर्मा, सुश्री अपूर्वा जादौन, श्रीमती देवयानी हाल्वे, श्री अंकुर काटे एवं श्री निशांत सिकरवार द्वारा सक्रिय सहभागिता से की गई। गणना के दौरान रुडी शेल डक, ग्रे लैग गूज, लिटिल रिंग प्लोवर, एशियन ओपनबिल, ग्रे हेरोन, कॉमन सर्पेंट ईगल, कॉमन हूपू, पाइड किंगफिशर सहित कुल 81 पक्षी प्रजातियाँ रिकॉर्ड की गईं।

धार में आयोजित होने वाले अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन - 2026 के लिए देश-विदेश से आयी प्रविष्टियां

सम्मेलन को भव्य और यादगार बनाने के लिए 3 महीने से धार के अग्रबंधु कर रहे हैं तैयारी

धार। धार में आयोजित होने वाले अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन - 2026 के लिए देश-विदेश से प्रविष्टियां आई है। सम्मेलन को भव्य और यादगार बनाने के लिए 3 महीने से धार के अग्रबधु तैयारी कर रहे है ।

मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा धार द्वारा धार के श्रद्धा शगुन गार्डन में 10, 11 जनवरी को अखिल भारतीय विवाह योग्य युवक-युवतियों का परिचय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। 8 जनवरी को परिचय सम्मेलन के पदाधिकारियों द्वारा प्रेसवार्ता की गई जिसमें परिचय सम्मेलन की विस्तृत जानकारी साझा की गई।

सम्मेलन में आएंगी कई विशिष्ट हस्तियां

मुख्य संयोजक अंनत अग्रवाल,मनोहर लाल अग्रवाल बबन अग्रवाल,संयोजक गोपीकिशन अग्रवाल,महासभा के प्रांतीय उपाध्यक्ष आशीष गोयल, प्रांतीय उपमंत्री पराग अग्रवाल ने बताया कि आगामी 10 व 11 जनवरी को परिचय सम्मेलन में पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा, केंद्रीय राज्यमंत्री महिला एवं बाल विकास सावित्री ठाकुर, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायक धार नीना वर्मा, पूर्व गृहमंत्री उमाशंकर गुप्ता, मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा के कैलाश मित्तल, वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश के सुधीर अग्रवाल, कलेक्टर धार प्रियंक मिश्रा ,पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी,नगर पालिका अध्यक्ष धार नेहा बोढ़ाने, नारायण अग्रवाल (420 पापड़), सुभाष अग्रवाल (बजरंग), टीकमचंद गर्ग (कल्याण ग्रुप), विष्णु बिंदल (स्वास्तिक), राजेश अग्रवाल,पूर्व राज्यमंत्री, प्रेमचंद गोयल (गोयल पारमार्थिक ट्रस्ट) रहेंगे।

इस तरह के आयोजन समाज में एकता, आपसी समन्वय और स्वस्थ वैवाहिक परंपराओं को बढ़ावा देते हैं

मीडिया प्रभारी श्याम मंगल लेबड एवं अशोक मित्तल ने बताया कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य यह है कि विवाह योग्य युवक-युवतियों को एक मंच प्रदान करना, पारिवारिक संबंधों को बढ़ावा देना,विवाह योग्य युवाओं एवं युवतियों को अपने पसंद के जीवनसाथी को खोजने और रिश्ते तय करने का अवसर प्रदान करना, जो व्यस्त जीवनशैली में मुश्किल होता है। इस तरह के आयोजन समाज में एकता, आपसी समन्वय और स्वस्थ वैवाहिक परंपराओं को बढ़ावा देते हैं।

इसमें योग्य जीवनसाथी की चाह लिए देशभर के युवक-युवती जुटेंगे। सुबह से शाम तक चर्चा का दौर चलेगा और कई रिश्ते तय होंगे। इस दौरान सामाजिक सरोकार की बात भी होगी।

इस सम्मेलन से प्रत्याशियों और अभिभावकों को एक ही स्थान पर अलग-अलग शहरों के युवक-युवतियों को जानने और समझने का मौका मिलेगा।

सम्मेलन के लिए 35 से अधिक समितियों का गठन किया गया है। जिसमें 65 युवा,105 मातृशक्ति एवं 80 समाजजन शामिल है।

बाहर से आने वाले प्रत्याशियों और अभिभावकों के लिए ठहरने की व्यवस्था भी निशुल्क की गई है।

सम्मेलन स्थल पर कम्प्यूटर से कुंडली मिलान, पंडित से कुंडली मिलान, अभिभावक चर्चा कक्ष और युवक-युवती चर्चा कक्ष भी बनाए जाएंगे।

परिचय सम्मेलन में स्वास्थ्य विशेषज्ञ एवं स्वास्थ शिविर लगाया जाएगा।

यह परिचय सम्मेलन पूरे प्रदेश में ऐतिहासिक होगा। अभी तक 10 राज्यों से 500 से अधिक अविवाहित युवक एवं 300 से अधिक युवतियों के बायोडाटा आ चुके हैं। जिसमे अधिकांश डॉक्टर, इंजीनियर, एमबीए, सीए, एमसीए जैसे उच्च शिक्षित एवं स्वयं के रोजगार में स्थापित प्रत्याशी शामिल हैं

आयोजन में युवक-युवतियां मंच से अपना परिचय देंगे। ऑनलाइन इंटरव्यू की व्यवस्था रहेगी।

यहां युवक-युवतियों के अभिभावक यदि परिवारों से वार्तालाप करना चाहेंगे तो उनके लिए कैबिन नुमा व्यवस्था भी रहेगी।

आयोजकों द्वारा बाहर से आने वाले समाजजन के लिए अलग से निःशुल्क आवास व्यवस्था भी रहेगी। सिर्फ व्यवस्था शुल्क पर स्वल्पाहार एवं भोजन की व्यवस्था रहेगी। 10 जनवरी की शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन होगा।

अग्र माधवी स्वर्णिम युगल सम्मान अंतर्गत 50 वर्ष पूर्ण हुए जोड़ो का कुटुंब प्रबोधन का बढ़ावा देने हेतु अग्रवाल समाज धार एवं आसपास से 50 वर्ष पूर्ण कर चुके लगभग 29 वैवाहिक जोड़ो को सपरिवार बेटी जमाई सहित आमंत्रित किया जा रहा है एवं उनका मंच से सम्मान किया जाएगा।

परिचय सम्मेलन बनेगा समाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूक करने का माध्यम। पूरे परिसर में जागरूकता संदेश विभिन्न विषय से संबंधित जैसे बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ,खर्चीली शादियां, लव जिहाद,पर्यावरण संरक्षण,भोजन का अपव्यय आदि के पोस्टर लगाए जाएंगे।

पर्यावरण संरक्षण गतिविधि की प्रेरणा से सम्मेलन में डिस्पोजल का उपयोग नहीं किया जाएगा,अतिथियों को भेट स्वरूप तुलसी के पौधे दिए जाएंगे ।

संघ स्थापना के 100 वर्ष और पंच परिवर्तन प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

स्वच्छता साथी वॉश ऑन व्हील सेवा पर

स्वच्छता साथियों का क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ आयोजन

भोपाल (नप्र)। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू, संस्थागत एवं सामुदायिक शौचालयों की साफ़-सफ़ाई हेतु ऑनलाइन माँग एवं सेवा आधारित नवाचार 'स्वच्छता साथी - वाश ऑन व्हील 'प्रारंभ किया गया है। शुभारंभ माननीय मुख्यमंत्रीजी द्वारा 01 नवंबर 2025 को किया गया था। वाश ऑन व्हील अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू, संस्थागत एवं सामुदायिक शौचालयों की साफ़-सफाई की सेवा स्वच्छता साथियों द्वारा उपलब्ध कराई जाती है। 'वाश ऑन व्हील' में संलग्न स्वच्छता साथियों की क्षमता वृद्धि के उद्देश्य से क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज प्रशिक्षण केंद्र ,नीलबड़, भोपाल में दो बैचों में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रदेश के सभी जिलों से आए स्वच्छता साथियों एवं जिले के प्रतिनिधि के रूप में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के जिला/ब्लॉक समन्वयक के रूप में लगभग 160 प्रतिभागी शामिल हुए।

मिशन संचालक स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) श्री दिनेश जैन द्वारा 'वॉश ऑन व्हील सेवा' की अवधारणा का परिचय दिया गया। श्रीमती शिवानी वर्मा, संयुक्त आयुक्त, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण द्वारा वाश ऑन व्हील के संचालन में स्वच्छता साथियों की भूमिका, उनके अनुभव, तथा अब तक की प्रगति पर प्रस्तुतीकरण दिया गया।

प्रशिक्षण के मुख्य विषयों में वाश ऑन व्हील मोबाइल ऐप के द्वारा साफ़-सफ़ाई हेतु माँग एवं सेवा प्रदाय किस प्रकार किया जाएग

तहसीलदार को कुचलने की कोशिश, कार को टक्कर मारी

शहडोल में पीछा करने पर माफिया ने दी हत्या की धमकी ; रेत फैलाते हुए भागे

शहडोल (नप्र)। शहडोल में अवैध रेत खनन रोकने गए तहसीलदार पर खनन माफिया ने जानलेवा हमला कर दिया। ब्यौहारी में बुधवार रात माफियाओं ने तहसीलदार शनि द्विवेदी की सरकारी बोलेरो को जानबूझकर टक्कर मारकर कुचलने की कोशिश की। इसके बाद सड़क पर रेत फैलाकर अफसर की जान और खतरे में डाल दी। पूरी घटना का वीडियो सामने आया है।

घटना ब्यौहारी थाना क्षेत्र के खरपा तिराहे के पास हुई। तहसीलदार शनि द्विवेदी अपनी टीम के साथ जंगल से आ रहे रेत से लदे ट्रैक्टर को रोकने पहुंचे थे। कार्रवाई के दौरान माफियाओं ने सरकारी वाहन को टक्कर मारी और मौके से भागने लगे।

सड़क पर रेत बिखेरते हुए भागे आरोपी

पीछा करने के दौरान ट्रैक्टर-ट्राली में बैठे व्यक्ति ने फावड़े से ट्रॉली का डाला खोल दिया। इसके बाद चालक ने हाइड्रोलिक से ट्राली ऊंची कर दी। तेज रफ्तार और जिग-जैग ड्राइविंग के बीच सड़क पर रेत फैलती गई, जिससे पीछा कर रहे तहसीलदार की कार कभी भी दुर्घटनाग्रस्त हो सकती थी।

पुलिस मुख्यालय के सामने मांस से भरा ट्रक पकड़ाया

हिंदूवादी संगठनों का दावा- रिपोर्ट में 26 टन गोमांस की पुष्टि; प्रदर्शन-नारेबाजी के बाद स्लॉटर हाउस सील

भोपाल (नप्र)। भोपाल में पुलिस मुख्यालय के सामने मांस से भरा ट्रक पकड़े जाने के मामले में प्रशासनिक कार्रवाई शुरू हो गई है। हिंदूवादी संगठनों ने जांच रिपोर्ट में गोमांस का आरोप लगाते हुए नारेबाजी की। माहौल बिगड़ता देख नगर निगम ने स्लॉटर हाउस सील कर दिया।

बता दें, बुधवार रात पीएचक्यू के सामने हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने एक ट्रक रोका था, जिसमें मांस के पैकेट मिले थे। आरोप है कि यह मांस हैदराबाद और मुंबई के रास्ते विदेश भेजने की तैयारी थी।

स्लॉटर हाउस के संचालक से पूछताछ- पुलिस का कहना है कि अंतिम रिपोर्ट और कानूनी प्रक्रिया के बाद ही स्थिति स्पष्ट की जाएगी। इधर, मामले में स्लॉटर हाउस के संचालक असलम चमड़ा को हिरासत में लिए जाने की सूचना है। उससे पूछताछ की जा रही है। मांस की सप्लाई चेन, पैकिंग और परिवहन से जुड़े बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

बड़ी संख्या में हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता कमिश्नर कार्यालय के बाहर नारेबाजी कर रहे हैं। उनका आरोप है कि जांच रिपोर्ट में गोमांस होने की पुष्टि हो चुकी है। हालांकि, पुलिस प्रशासन ने इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है और पुष्टि भी नहीं की है। उन्होंने 26 टन मांस होने का दावा किया है।

पवन खेड़ा बोले

इंदौर में मौतें हो रहीं, सीएम गाना गा रहे

पूछा- पानी और प्रभावितों की जांच में हैजा के बैक्टीरिया मिले तो नोटिफिकेशन हुआ क्या

भोपाल (नप्र)। कांग्रेस मीडिया एंड कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट के प्रमुख पवन खेड़ा ने इंदौर में दूषित पेयजल से हुई 18 मौतों को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। भोपाल में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान खेड़ा ने कहा कि मध्य प्रदेश वह राज्य है, जहां लंबे समय से भाजपा का शासन है और उसी दौर में इंदौर को स्वच्छ भारत अभियान में लगभग आठ बार पहला स्थान मिला। आज उसी 'नंबर-वन शहर' में लोग गंदा पानी पीकर मर रहे हैं। यह सरकार के नारों और दावों की पूरी पोल खोल देता है।

हर घर जल की जगह हर घर मल पहुंचाया जा रहा था- पवन खेड़ा ने कहा कि 'क्लीन सिटी इंदौर', 'स्मार्ट सिटी इंदौर' और 'हर घर जल योजना' तीनों के दावों का सच इंदौर में सामने आ गया है। हर घर पाइप्ड वॉटर योजना के

तहत पाइपलाइन बदलने के ठेके का अप्रूवल जुलाई 2022 में मिल चुका था। सिर्फ कंपनी फाइनल होनी थी, लेकिन काम शुरू नहीं हुआ। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या अधिकारी और सरकार कमीशन तय होने का इंतजार कर रहे थे, इसलिए लोगों की जान दांव पर लगा दी गई?

मंत्री विजयवर्गीय सवाल पूछने पर बदसलूकी करते हैं- कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि अगर पत्रकार सवाल पूछते हैं तो कैलाश विजयवर्गीय बदतमीजी और गाली-गलौज पर उतर आते हैं। दूसरी ओर मुख्यमंत्री मोहन यादव मस्ती में गाने गा रहे हैं।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने जिला चिकित्सालय में बेहतर उपचार एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के दिए निर्देश

गुना (निप्र)। जिले के चांचौड़ा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पैंची में विगत दिवस घटित घटना के दौरान घायल हुए पुलिसकर्मियों का उपचार जिला चिकित्सालय गुना में सुचारु रूप से जारी है। मंगलवार प्रातः कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल एवं पुलिस अधीक्षक श्री अंकित सोनी ने जिला चिकित्सालय पहुँचकर घायल पुलिसकर्मियों से भेंट कर उनका हालचाल जाना। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने घायलों से आत्मीय बातचीत कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा उपचार व्यवस्थाओं की समीक्षा की। कलेक्टर श्री कन्याल ने चिकित्सकों को घायलों को सर्वोत्तम एवं त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए और कहा कि उपचार में किसी प्रकार की कोई कमी न रहे।प्रशासन की इस संवेदनशील पहल से घायल पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ा। इस अवसर पर कलेक्टर श्री कन्याल ने वार्ड में भर्ती अन्य मरीजों से भी मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और उपचार संबंधी सुविधाओं के बारे में फीडबैक लिया। इस के दौरान कलेक्टर श्री कन्याल ने सड़क दुर्घटना में घायल कुछ मरीजों से भी चर्चा की। उन्होंने पाया कि जिन घायलों ने हेलमेट पहना था, उन्हें सिर में गंभीर चोट से बचाव हुआ, जबकि हेलमेट न पहनने वाले मरीजों को गंभीर सिर की चोटें आई हैं। इस पर कलेक्टर श्री कन्याल ने हेलमेट को जीवन रक्षक बताते हुए आमजन से इससे प्रेरणा लेने की अपील की। इस दौरान एसडीएम गुना श्रीमती शिवानी पाण्डेय, सिविल सर्जन डॉ. व्ही.एस. रघुवंशी सहित संबंधित अधिकारी एवं चिकित्सकीय स्टाफ उपस्थित रहा।

इंटेक द्वारा वृक्षों पर आधारित पोस्टर, पेंटिंग एवं निबंध प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के 80 विद्यार्थियों ने लिया भाग

मुरैना (निप्र)। भारतीय संस्कृति निधि द्वारा 'जीवनदायिनी वृक्ष' विषय पर पोस्टर, पेंटिंग एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन अमर शहीद पं. रामप्रसाद बिस्मिल पुरातत्व संग्रहालय में किया गया। प्रतियोगिता में मुरैना के विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों–शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शासकीय एस.ए.एफ. माध्यमिक विद्यालय, शेल्टर पब्लिक स्कूल, गंगा पब्लिक स्कूल, सरोजिनी विद्यालय, जेक एंड जिल विद्यालय सहित अन्य विद्यालयों के कक्षा 7 से 9 तक के लगभग 80 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। विद्यार्थियों ने अपनी सृजनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से विभिन्न प्रकार के वृक्षों पर आधारित आकर्षक चित्र बनाए तथा विषयानुकूल निबंध लेखन किया। पुरातत्व विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि छात्र-छात्राओं द्वारा निर्धारित शीट पर तैयार किए गए पोस्टर, पेंटिंग एवं निबंधों को मूल्यांकन हेतु नई दिल्ली स्थित इंटेक के मुख्यालय भेजा जाएगा।

CHANGE OF NAME

I, Srinivasan Rajagopalan Iyer, son of Rajagopalan Vaidyanathan, resident at Village Anwalikheda, PO Abidabad, Teh and District Sehore PIN 466111, have changed my name to **Srinivasan Iyer** vide affidavit No BW 194888 dated Jan 8, 2026 notarised in Bhopal

कुबेरेश्वर धाम पर आगामी माह में होने वाली कथा की व्यवस्थाओं के संबंध में बैठक आयोजित

पेयजल, सफाई और यातायात की बेहतर व्यवस्था के कलेक्टर ने दिये निर्देश

सीहोर (निप्र)। कुबेरेश्वर धाम में आगामी फरवरी माह में शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। इस कथा में देशभर से लाखों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। इस कथा के संबंध में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. तथा एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला ने संबंधित अधिकारियों को आयोजन की सभी आवश्यक तैयारियां समय से पहले सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने व्यवस्था के लिए पर्याप्त अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जिन अधिकारियों की ड्यूटी लगाई जाए उन्हें समय से पूर्व अपने ड्यूटी स्थल पर पहुँच पूरी गम्भीरता से ड्यूटी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कथा के दौरान बेहतर इंतजाम करने एवं लोगों की सुरक्षा के साथ ही नेशनल हाईवे पर आवागमन सुगम बनाए रखने के लिए मार्ग परिवर्तित करने तथा वैकल्पिक मार्ग तथा हेलीपैड स्थल के संबंध में अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने कथा के दौरान पेयजल, बिजली, साफ-सफाई, अस्थाई शौचालय, पार्किंग, हेल्थ कैम्प, आकस्मिक चिकित्सा व्यवस्था, एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड, कन्ट्रोल रूम, सहायता केंद्र, मार्ग मरम्मत सहित अन्य व्यवस्थाएं सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला ने कथा के दौरान पर्याप्त पुलिस बल की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव, एडिशनल एसपी श्रीमती सुनीता रावत, एसडीएम श्री तन्मय वर्मा, सीएसपी डॉ. अभिनंदना शर्मा, टीआई सुनील मेहर, सीबीएमओ डॉ नवीन मेहर, विठ्ठलेश्वर समिति के श्री समीर शुक्ला सहित पुलिस एवं प्रशासन के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

पार्किंग एवं यातायात व्यवस्था संबंधी निर्देश : कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं की अत्यंत भीड़ को दृष्टिगत रखते हुए शहर के मुख्य स्थल जैसे बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन एवं अन्य पहुँच मार्गों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही आयोजन स्थल एवं आसपास कंट्रोल रूम स्थापित करने एवं सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि हाईवे पर यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए डाइवर्जन रूट पर बेरिकेटस लगाये जायें।

कुबेरेश्वर धाम के लिए ऑटो का किराया निर्धारित

बस स्टैंड एवं रेलवे स्टैंड से कुबेरेश्वर धाम जाने वाले श्रद्धालुओं से अधिक किराया वसूल न किया जाए इसके लिए ऑटो का किराया बस स्टैंड से कुबेरेश्वर धाम तक तथा रेलवे स्टेशन से कुबेरेश्वर धाम तक का किराया निर्धारित करने के निर्देश दिए है। कुबेरेश्वर धाम आने जाने वाले ऑटो के लिए पृथक पार्किंग स्थल होगा।

पर्याप्त चिकित्सा व्यवस्था एवं मिनी आईसीयू स्थापित करने के निर्देश : बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने आयोजन स्थल पर पर्याप्त चिकित्सा एवं एम्बुलेंस की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीबीएमओ डॉ नवीन मेहर को चिकित्सा व्यवस्थाओं की सतत निगरानी करने एवं आयोजन स्थल पर एम्बुलेंस मय स्टाफ के साथ जीवन रक्षक एवं आवश्यक दवाओं की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने कथा स्थल पर मिनि आईसीयू स्थापित करने के निर्देश दिए ताकि आवश्यकता पड़ने पर मरीजों को त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

खाद्य पदार्थों की जांच : बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने खाद्य सुरक्षा अधिकारी को आयोजन के दौरान निर्देश दिए कि कुबेरेश्वर धाम स्थित दुकानों में विक्रय होने वाले खाद्य एवं पेय पदार्थों की जांच की जाए तथा मिलावट या अमानक पाए जाने पर संबंधित दुकानदार के विरूद्ध कार्यवाही की जाए। इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि कथा स्थल पर श्रद्धालुओं के लिए जो भोजन बनाया जाएगा, उसकी फूड इंस्पेक्टर द्वारा समय-समय पर जाँच की जाए।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना से बदली कोसमी की भारती बेकरी की तस्वीर

9 लाख के लोन से बढ़ाया व्यवसाय, चार लोगों को भी दिया रोजगार

बैतूल (निप्र)। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना स्थानीय उद्यमियों के लिए वरदान साबित हो रही है। कोसमी स्थित भारती बेकरी इंडस्ट्री के संचालक राकेश सातपुते ने बताया कि वे बेकरी उद्योग का सफल संचालन कर रहे हैं। भारती बेकरी के माध्यम से टोस्ट, बिस्किट, केक, बन, क्रीम रोल, पेस्ट्री सहित अन्य बेकरी उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। राकेश सातपुते को प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना पीएम एफएमई के तहत पंजाब नेशनल बैंक से 9 लाख रुपए का ऋण प्राप्त हुआ, जिसमें 35 प्रतिशत सब्सिडी का लाभ भी मिला। इस आर्थिक सहयोग से उन्होंने अपने व्यवसाय का विस्तार किया है। बेकरी उत्पादों की बिक्री जिले के ग्रामीण अंचलों की दुकानों में की जा रही है। ऋण मिलने के बाद व्यवसाय में वृद्धि हुई, जिससे उनकी मासिक आय के साथ-साथ वार्षिक आय में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। साथ ही उन्होंने चार अन्य लोगों को रोजगार भी उपलब्ध कराया है। राकेश सातपुते ने पीएम एफएमई योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया है।

संक्षिप्त समाचार

जेएच कॉलेज में एक दिवसीय मशरूम उत्पादन पर कार्यशाला का आयोजन

बैतूल (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस जेएच कॉलेज बैतूल में प्राचार्य डॉ मीनाक्षी चौबे के मार्गदर्शन में पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन एप्को पर्यावरण विभाग मध्यप्रदेश शासन भोपाल द्वारा इको क्लब की संयोजक प्रो. अर्चना सोनारे के निर्देशन में एक दिवसीय मशरूम उत्पादन पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रशिक्षक श्री रामकिशोर कहार संस्थापक विक्रम मशरूम यूनिट सिलपटी शाहपुर द्वारा विद्यार्थियों मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में श्री कहार ने छात्र, छात्राओं को मशरूम के लाभ एवं कम से कम लागत में इसका व्यवसाय करना सिखया। कार्यक्रम में लगभग 70 विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम में मंच संचालन प्रो. संतोष पवांर ने किया। प्रशिक्षण में इको क्लब के सभी सदस्य डॉ महेन्द्र नावंगे, प्रो. दिपिका साहू, डॉ राजकुमार चौकीकर, डॉ राहुल सिहं ठाकुर, डॉ पंकज बारस्कर, प्रो. नीतू कुमरे, डॉ महेन्द्र कुमार मिश्रा तथा प्रो. प्रीति नावंगे, प्रो. सोनम चौधरी, श्री सतीश वाडिवा सहित विधार्थी शिवमाला पाटे, अंकिता टिकारे, शीतल ढांढोडे, निकिता वराठे, संजना सिरसाम, देवेन्द्र मगरदे, चंद्रशेखर बिन्झाडे, शारदा बनकर, महक शेख, तमन्ना, आयुषी, हर्षिता, शीतल बनाईत उपस्थित थी।

सीएमएचओ ने खेड़ी सांवलीगढ और डहरगांव के टीकाकरण सत्रों का किया निरीक्षण

बैतूल (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार हुरमाडे ने 6 जनवरी को ग्राम डहरगांव एवं खेड़ी सांवलीगढ में टीकाकरण सत्र का निरीक्षण किया। टीकाकरण सत्र पर सीएचओ, एएनएम उपस्थित पाई गईं। सीएमएचओ द्वारा ग्राम में टीकाकरण सत्र के निरीक्षण के दौरान ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस में आई महिलाओं से चर्चा कर ग्राम में मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने उपस्थित हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं के लाभ एवं जच्चा-बच्चा के स्वास्थ्य एवं पोषण पर समझाइश दी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने टीकाकृत बच्चों एवं टीकाकरण पंजी चेक की। ग्राम खेड़ी सांवलीगढ के गांधी वार्ड आंगनवाड़ी केन्द्र में उपस्थित हितग्राहियों द्वारा उनके बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं की नियमित रूप से जांच करने एवं बच्चों को समय पर टीकाकरण किए जाने पर कार्यरत सीएचओ एवं एएनएम की प्रशंसा की। सीएमएचओ ने सीएचओ एवं एएनएम को जनसमुदाय से जुड़कर बेहतर स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए निर्देशित किया। सीएमएचओ द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खेड़ी सांवलीगढ का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने समस्त स्टाफ को समय पर अस्पताल में उपस्थित रहकर स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के निर्देश दिए। खंड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सेहरा को खेड़ी सांवलीगढ में इसी माह से प्रसव केन्द्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

सांसद निधि से कबड्डी मेट क्रय हेतु 99 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी

नर्मदापुरम (निप्र)। सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी से ई साक्षी पोर्टल पर प्राप्त प्रस्ताव के आधार पर कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने सांसद निधि से कबड्डी मेट क्रय करने हेतु 99 हजार 990 रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति के आदेश जारी किए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी की सांसद निधि से जनपद पंचायत सोहागपुर के ग्राम मोकल वाड़ी में कबड्डी मेंट क्रय करने हेतु 99 हजार 990 रुपए की राशि की प्रशासकीय स्वीकृति के आदेश जारी किये ग ए है। निर्माण कार्य की एजेंसी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सोहागपुर है।

जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की बैठक सम्पन्न

विदिशा (निप्र)। जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की जिला स्तरीय बैठक कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित की गई थी। बैठक में परिषद के कार्यकारिणी सदस्यों के साथ-साथ अशासकीय सदस्य, इतिहासकार एवं पुरातत्ववेत्ता उपस्थित रहे। बैठक में वन विभाग अंतर्गत आने वाले प्रमुख पर्यटन स्थलों के विकास पर विशेष चर्चा की गई। इसके अंतर्गत रैपलिंग एवं ट्रैकिंग जैसे साहसिक पर्यटन गतिविधियों के लिए उपयुक्त स्पॉट चिन्हित कर उन्हें विकसित करने की तैयारी पर विचार-विमर्श किया गया, ताकि जिले में पर्यटन की संभावनाओं को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके। सभी जनपद पंचायत क्षेत्रों में स्थित पुरातात्विक स्थलों पर पर्यटकों की सुविधा के लिए संकेतक बोर्ड लगाए जाने के निर्देश ग्राम पंचायतों को देने पर सहमति बनी। इससे आम नागरिकों एवं पर्यटकों को ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी आसानी से उपलब्ध हो सकेगी। बैठक में यह महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी रखा गया कि विदिशा जिले के पुरातात्विक, सांस्कृतिक एवं प्रमुख पर्यटक स्थलों को जोड़ने के लिए एक विशेष बस सेवा प्रारंभ की जाए। यह बस सेवा वीकेंड पर एक निर्धारित रूट पर संचालित की जाएगी, जिसमें यात्रियों के लिए खाने-पीने की व्यवस्था भी रहेगी। इस पहल का उद्देश्य जिले के नागरिकों एवं पर्यटकों को विदिशा की समृद्ध पुरातात्विक धरोहर और पर्यटन स्थलों से परिचित कराना है। बैठक में अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ श्री ओ.पी. सनोडिया, एडिशनल एसपी डॉ. प्रशांत चैबे, एसडीओ फॉरेस्ट श्री हिमांशु त्यागी, डीएटीसीसी प्रभारी श्री अजय सिंह सकवार सहित परिषद के कार्यकारिणी सदस्य एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

परिवार नियोजन के अस्थायी साधन अंतरा छाया का प्रशिक्षण सम्पन्न

सीएमएचओ ने स्थायी एवं अस्थायी साधनों के लक्ष्य पूर्ति करने के निर्देश दिये

नर्मदापुरम (निप्र)। राष्ट्रीय परिवार कल्याण कार्यक्रम के तहत सोमवार को जिला प्रशिक्षण केन्द्र नर्मदापुरण में सीएमएचओ डॉ नरसिंह गेहलोत के मार्गदर्शन एवं डीएचओ 2 डॉ सुनीता नागेश की देखरेख में हैल्थ वेलनेस सेन्टर एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में कार्यस्त नर्सिंग ऑफीसर सीएचओ को परिवार नियोजन के अस्थायी साधन अतरा छाया का एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया। प्रतिभागियों को लक्ष्य दम्पतियों में बच्चों में अन्तर बनाये रखने के लिये इंजेक्शन अंतस एवं छाया गर्भ निरोधक गोली का विस्तार से प्रशिक्षित किया।

डीएचओ डॉ सृजन सेंगर द्वारा प्रतिभागियों से प्रि एवं पोस्ट टेस्ट लिये गये गभीर एवं अतिगंभीर एनीमिया वाली गर्भवती महिलाओं को चिन्हित कर उन्हें आयरन सुकोज, एफसीएम इंजेक्शन तथा स्क्त परिवहन के लिये रास्थाओं में प्रबंधन करने का प्रशिक्षण दिया। छाया गर्भनिरोधक गोली प्रत्येक आशा कार्यकर्ता एवं

उप स्वास्थ्य केन्द्र पर उपलब्ध रहती है जिरो नवविवाहित दंपति, 02 बच्चों के बीच अंतर रखने के लिये लक्ष्य दपतियों को परिवार नियोजन के इन अस्थायी साधनों के बारे में एएनएम, आशा कार्यकर्ता तथा सीएचओ, नर्सिंग ऑफीसर के द्वारा ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस अथवा ऐसे हितग्राहियों से गृह भेंट के दौरान सम्पूर्ण जानकारी दी जाती है। प्रशिक्षण की संपूर्ण व्यवस्था निधि रामकूचे मास्टर प्रशिक्षक एवं मदनमोहन वर्मा लिपिक द्वारा की गई।

स्वयं के बच्चों की तरह विद्यार्थियों को शिक्षित करें अध्यापक

बोर्ड परीक्षा परिणामों में कमजोर प्रदर्शन करने पर शिक्षक होंगे पदावनत

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने की शिक्षकों से अपेक्षा करते हुए कहा है कि वे निरन्तर प्रयास कर विद्यार्थियों के परीक्षा परिणामों में सुधार लाएं, जिन विषयों में विद्यार्थी कमजोर है, उनकी पढ़ाई पर विशेष ध्यान दें। बोर्ड परीक्षाओं में प्री बोर्ड के प्रश्न पत्र सम्पन्न होने के पश्चात विद्यार्थियों से कमजोर विषयों पर अवश्य चर्चा करें एवं उनको बेहतर तरीके से प्रश्न पत्र हल करने के टिप्स दें। उन्होने कहा है कि आगामी बोर्ड परीक्षाओं में कमजोर परीक्षा परिणाम लाने वाले शिक्षकों को पदावनत करने की कार्यवाही की जाएगी। इसके लिये कमजोर परीक्षा परिणाम वाले स्कूलों के शिक्षकों को अभी से नोटिस जारी किये जाएं। मंगलवार को आयोजित शिक्षा विभाग के मैदानी अधिकारियों व संकुल प्राचार्यों की बैठक में कलेक्टर ने दो टूक शब्दों में कहा कि जिले के किसी भी स्कूल का कमजोर परीक्षा परिणाम स्वीकार नहीं किया जाएगा। शिक्षकों को विद्यार्थियों के साथ पूरी तल्लीनता के साथ मेहनत करना जरूरी है। हमारा प्रयास हो कि कोई भी विद्यार्थी परीक्षा में अनुत्तीर्ण न रहे। प्रत्येक शिक्षक अपने विद्यार्थियों को उसी तरह से पढ़ाए जैसे वह स्वयं के बच्चों को शिक्षित करता है। बैठक में कलेक्टर ने शिक्षा विभाग के तहत संचालित कार्यक्रमों की भी समीक्षा की। इस दौरान उन्होने कहा कि 5 से 8 वीं कक्षाओं में अध्ययनरत दृष्टिदोष से पीड़ित विद्यार्थियों का नेत्र परीक्षण किया जाए एवं उन्हें निःशुल्क चश्में प्रदाय किये जायें। उल्लेखनीय है कि जिले में 8 वीं से 12 वीं तक के विद्यार्थियों का पूर्व में ही नेत्र परीक्षण कराकर निःशुल्क चश्में प्रदाय किये जा चुके है।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि सभी पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। बैठक में शिक्षकों की ई-अटेण्डेन्स की स्थिति की भी समीक्षा की गई। साथ ही स्मार्ट क्लास, 12 जनवरी को आयोजित होने वाले सूर्य नमस्कार, निःशुल्क पाठ्य पुस्तक एवं साइकिल वितरण जैसी योजनाओं की प्रगति से भी कलेक्टर अवगत हुए। शिक्षकों के लंबित पेंशन प्रकरणों की स्थिति की भी बैठक में जानकारी दी गई। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी श्री डी.एस. रघुवंशी, जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण विभाग श्री रवि कन्नौजिया, सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक श्री बलवन्त सिंह पटेल सहित शिक्षा विभाग के मैदानी अधिकारी एवं संकुल प्राचार्य उपस्थित रहे।

ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस में दी गई स्वास्थ्य सेवाएं

सीहोर (निप्र)। जिले की समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस (व्ही.एच.एन.डी.) के अवसर पर बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्रदान किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुधीर कुमार डेहरिया ने बताया कि 0 से 1 वर्ष आयु वर्ग के 688 बच्चों तथा 1 वर्ष से अधिक आयु के 276 बच्चों का टीकाकरण किया गया, वहीं कुल 118 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जाँच की गई।

जन अभियान परिषद नर्मदापुरम की जिला स्तरीय त्रैमासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न

बैठक में आगामी कार्ययोजना के अंतर्गत 'ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश कार्यक्रम' के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया।

नर्मदापुरम (निप्र)। जिला जन अभियान परिषद नर्मदापुरम की जिला स्तरीय त्रैमासिक समीक्षा बैठक का आयोजन जिला मुख्यालय में सफलतापूर्वक किया गया। बैठक में संभाग समन्वयक श्री कौशलेश प्रताप तिवारी एवं जिला समन्वयक श्री पवन सहगल की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक के दौरान जिले में कार्यरत समस्त नवांकुर संस्थाओं द्वारा विगत तीन माह में किए गए कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। जन अभियान परिषद मध्यप्रदेश कार्यालय द्वारा निर्धारित दायित्वों एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की प्रगति पर गहन चर्चा की गई। विशेष रूप से जल संचय कार्यक्रम के अंतर्गत जिले की प्रस्फुटन समितियों द्वारा किए गए बोरी बंधान कार्य, सेक्टर स्तरीय बैठकों तथा विभिन्न सामाजिक गतिविधियों की समीक्षा की गई। आगामी कार्ययोजना के अंतर्गत 'ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश कार्यक्रम' के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया। इसके तहत ग्रामोत्सव, ग्राम चौपाल, सामूहिक श्रमदान तथा ग्राम स्तर पर परिवारों से व्यक्तिगत संपर्क जैसे विषयों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। संभाग समन्वयक श्री कौशलेश प्रताप तिवारी ने स्वावलंबन के माध्यम से महिला सशक्तीकरण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाओं की आय वृद्धि हेतु नवाचार आधारित गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जिससे महिलाएँ आत्मनिर्भर बन सकें। जिला समन्वयक श्री पवन सहगल ने निर्देशित किया कि सभी नवांकुर संस्थाएँ ग्राम स्तर पर प्रस्फुटन समितियों को सक्रिय करें, नियमित सेक्टर बैठकें आयोजित करें, दीवार लेखन को प्राथमिकता दें तथा ग्राम चौपाल के माध्यम से शासकीय योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुँचाएँ। साथ ही पंचायत स्तर पर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु सेवा कार्यों को सुदृढ़ करने पर बल दिया गया। बैठक में संभाग समन्वयक के साथ, समाजसेवी चित्रा हर्णे, बैतूल से समाजसेवीका तुलीका पचौरी ब्लॉक समन्वयक श्री नरेंद्र देशमुख, श्री हरिदास दायमा, श्री विवेक मालवीय, श्री किशोर कड़ोले, श्री दयाराम उमरे, श्रीमती सुखवती वर्मा सहित जिले की चयनित नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन श्री नरेंद्र देशमुख द्वारा किया गया।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पोषण समिति की बैठक सम्पन्न

रायसेन जिले को कुपोषण मुक्त बनाने सुपोषित रायसेन अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के दिए निर्देश

रायसेन (निप्र)। जिला स्तरीय पोषण समिति की बैठक कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। जिसमें कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिले में सुपोषित रायसेन अभियान, साक्षा चूल्हा योजना, पूरक पोषण आहार वितरण आदि की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि रायसेन जिले को कुपोषण मुक्त जिला बनाने के लिए सभी अधिकारी गंभीरता से कार्य करें। बच्चों को गुणवत्तापूर्ण पोषण आहार मिले, नियमित स्वास्थ्य जांच और टीकाकरण सुनिश्चित कराएं। साथ ही कुपोषित बच्चों को जनसहयोग से पोषण आहार किट वितरण की भी जानकारी ली। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने रायसेन जिले को कुपोषण से मुक्त करने के लिए 01 नवम्बर 2025 से जनसहयोग से शुरू किए गए सुपोषित रायसेन अभियान की विस्तृत समीक्षा करते हुए अभियान के तहत जिले में सर्वेक्षण कर चिन्हित किए गए कुपोषित बच्चों की समुचित देखभाल हो, पर्याप्त पोषण आहार मिले जिससे कि वह शीघ्र कुपोषण की श्रेणी से बाहर आएं, इसके लिए व्यक्तिगत रूचि के साथ कार्य करें। उन्होंने नवीन चिन्हित बच्चों के उपरांत कुल सेम बच्चों की संख्यात्मक जानकारी लेते हुए दिशा-निर्देश दिए। बैठक में महिला बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री बृजेश जैन ने बताया कि अभियान के तहत पुनः सर्वेक्षण में 1021 सेम बच्चे चिन्हित किए गए तथा इन सभी सेम बच्चों के घर गृहभेंट की गई। उन्होंने बताया कि कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण कैम्प कुल 61 सेक्टरों में आयोजित किए गए जिसमें जनप्रतिनिधियों और जनसहयोग से फूड किट वितरित किए गए। घर गृहभेंट एवं स्वास्थ्य परीक्षण हो जाने से चिन्हिंत बच्चों को एनआरसी भिजवाने तथा कुपोषण रोकने में लाभ हुआ है और 462 बच्चों का श्रेणी परिवर्तन हुआ है। जिले में जनसहयोग के माध्यम से फूट किट वितरण किया जा रहा है तथा यह निरंतर जारी है। जिले में साझा चूल्हा योजना अंतर्गत कार्यरत स्व-सहायता समूहों की जानकारी देते हुए बताया कि जिले की सभी सातों परियोजनाओं के कुल 1858 केन्द्र में से ग्रामीण आंगनवाड़ी केन्द्रों की संख्या 1616 है और शहरी क्षेत्र में 242 आंगनवाड़ी केन्द्र है। ग्रामीण आंगनवाड़ी केन्द्रों में कार्यरत स्वसहायता समूहों की संख्या 1319 है तथा शहरी केन्द्रों में कार्यरत स्वसहायता समूहों की संख्या 53 है। इसी प्रकार जिले में 3 से 6 वर्ष के 58546 बच्चों को गर्भ पका भोजन वितरित किया जाता है तथा टीएचआर लाभार्थी की संख्या 56754 है। बैठक में स्वास्थ्य विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, पीएचई सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मप्र के पानी में नाइट्रेट का लेवल खतरे के पार

शरीर में करता है ऑक्सीजन की कमी, 39 जिलों में नाइट्रेट का स्तर बहुत अधिक पाया गया

भोपाल (नप्र)। सीवेज के पानी के भूजल में मिलने से इंदौर में हुई 18 मौतों के बाद, मध्य प्रदेश में एक और बड़ी त्रासदी का खतरा मंडरा रहा है। राज्य के भूजल स्रोतों में नाइट्रेट का स्तर खतरनाक रूप से बढ़ गया है। केंद्रीय सरकार द्वारा कराए गए एक अध्ययन के अनुसार, मध्य प्रदेश के 55 में से 39 जिलों में, जिनमें इंदौर भी शामिल है, नाइट्रेट का स्तर बहुत अधिक पाया गया है। यह रिपोर्ट अगस्त 2025 में जारी हुई थी और 2024 की भूजल गुणवत्ता रिपोर्ट पर आधारित थी।

शरीर में ऑक्सीजन कम करता है नाइट्रेट- यह चिंताजनक स्थिति इसलिए है क्योंकि पीने के पानी में नाइट्रेट की अधिक मात्रा शरीर में ऑक्सीजन के स्तर को कम कर देती है। इससे लोगों की जान को खतरा हो सकता है, खासकर छोटे बच्चों के लिए। उत्तर प्रदेश के बाद, मध्य प्रदेश भूजल में नाइट्रेट की मात्रा के मामले में दूसरे स्थान पर है।

यह हैं एमपी के 39 जिले - जिन 39 जिलों में नाइट्रेट (एनओ3 -45 मिलीग्राम प्रति लीटर एमजी/एल) की असामान्य मात्रा पाई गई है, उनमें इंदौर, आगर मालवा, अनूपपुर, बालाघाट, बड़वानी, भिंड, बुरहानपुर, छिंदवाड़ा, दमोह, दतिया, देवास, धार, गुना, ग्वालियर, हरदा, जबलपुर, झाबुआ, कटनी, खंडवा, खरगोन, मंडला, मंदसौर, मुरैना, नरसिंहपुर, नीमच, पन्ना, राजगढ़, रतलाम, रीवा, सागर, सतना, शहडोल, शाजापुर, श्योपुर, शिवपुरी, सीधी, टीकमगढ़, उज्जैन और उमरिया शामिल हैं।

क्यों होता है ऐसा?- इस समस्या के कई कारण हैं। रिपोर्ट के अनुसार, खराब सीवेज निपटान व्यवस्था और सेप्टिक टैंक से रिसाव भूजल में नाइट्रेट की मात्रा बढ़ा सकते हैं। शहरी विकास और जलवायु परिवर्तन के कारण भूजल का पुनर्भरण कम हो रहा है, जिससे नाइट्रेट को पतला करने के लिए कम पानी उपलब्ध है। इसके अलावा, खेती में रासायनिक उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग, खासकर धान और गेहूं जैसी फसलों के लिए, भी भूजल में नाइट्रेट बढ़ने का एक बड़ा कारण है।

पानी राज्य का विषय- यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि पानी राज्य का विषय है, इसलिए भूजल संसाधनों का टिकाऊ विकास और प्रबंधन मुख्य रूप से राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है। हालांकि, केंद्र सरकार अपनी योजनाओं और परियोजनाओं के माध्यम से राज्यों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

भोपाल की चार कॉलोनियों के पानी में भी इंदौर जैसा 'खूनी बैक्टीरिया'

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल पर एक बड़ा स्वास्थ्य संकट मंडरा रहा है। इंदौर के भागीरथपुरा में जहरीले पानी से हुई 18 मौतों के बाद अब भोपाल के पानी में भी वही जानलेवा 'ई-कोलाई' बैक्टीरिया पाया गया है। नगर निगम द्वारा लिए गए सैंपलिंग में शहर के चार प्रमुख स्थानों के पानी के सैंपल फेल हो गए हैं, जिससे प्रशासन और आम जनता के बीच हड़कंप मच गया है। एक रिपोर्ट में इन बातों का दावा किया गया है।

अफसर बोले-ये सप्लाई का नहीं बल्कि ग्राउंड वाटर है- हालांकि भोपाल नगर निगम के अफसर कर रहे हैं कि ये सप्लाई का नहीं बल्कि ग्राउंड वाटर है। इसके इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई है। 2 दिन पहले ही विधायक आतिफ अकील और पार्षद प्रतिनिधि मो. जहीर खानूगांव पहुंचे थे। खानूगांव में अब भी करीब 2 हजार लोग गंदा पानी पी रहे हैं।

इन इलाकों में मिला 'मौत' का बैक्टीरिया- नगर निगम की जांच में सबसे चौंकाने वाला खुलासा खानूगांव, आदमपुर और बाजपेई नगर को लेकर हुआ है। इन क्षेत्रों के भूगर्भ जल में खतरनाक ई-कोलाई बैक्टीरिया की पुष्टि हुई है। यह वही बैक्टीरिया है जो इंसानी मल-मूत्र के पानी में मिलने से पैदा होता है और सीधा किडनी व आंतों पर हमला करता है। इंदौर में हुई मौतों का मुख्य कारण भी यही बैक्टीरिया बताया गया था।

अलर्ट जारी - पानी पीने से पहले बरतें सावधानी- बताया जा रहा है कि इंदौर कांड के बाद भोपाल शहर के 250 स्थानों से सैंपल लिए गए थे। रिपोर्ट आने के बाद प्रभावित इलाकों में तुरंत अलर्ट जारी कर दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने इन क्षेत्रों के निवासियों को सलाह दी है कि वे सीधे नल या बोरिंग का पानी न पिएं। पानी को उबालकर या क्लोरिनेशन के बाद ही उपयोग में लें।

इंदौर में अब भी कहर जारी- वहीं, दूसरी ओर, इंदौर में हालात अच्छे नहीं हैं। बुधवार को डायरिया के 24 नए मरीज सामने आए, जिससे अब तक कुल मरीजों की संख्या 437 पहुंच गई है। गौरतलब है कि इंदौर की घटना के बाद ही सभी जगहों पर पानी को लेकर निगरानी की जा रही है। पाइप लाइन में लीकेज को दुरुस्त किया जा रहा है। निगम की टीमें लगातार काम कर रही हैं। भोपाल में समय रहते उन जगहों को चिह्नित कर लिया गया है, जहां पानी दूषित है।

बालाघाट में 9 दिन में दो तेंदुओं की रहस्यमयी मौत से मचा हड़कंप

वन विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

बालाघाट(नप्र)। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। 23 दिसंबर को उत्तर सामान्य वन परिक्षेत्र लामता के जंगल में एक नर तेंदुआ संदिग्ध हालत में मृत मिला था। इसके ठीक नौ दिन बाद, 1 जनवरी को उत्तर सामान्य वनमंडल के दक्षिण लामता अंतर्गत मगदर्रा सर्किल से करीब एक किलोमीटर दूर खेत में एक मादा तेंदुआ मृत पाई गई। दोनों मामलों में अब तक मौत के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है।

वन विभाग के अधिकारी इन दोनों घटनाओं को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से जोड़कर देख रहे हैं। वनमंडलाधिकारी रेशम सिंह धुर्वे ने बताया कि दोनों तेंदुओं की पीएम रिपोर्ट अभी प्राप्त नहीं हुई है। रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि मौत प्राकृतिक कारणों से हुई या इसके पीछे कोई और वजह है।

वन्यजीव प्रेमियों में बढ़ी चिंता- लगातार हो रही वन्यजीवों की मौतों को लेकर जिले के वन्यजीव प्रेमियों में नाराजगी और चिंता बढ़ती जा रही है। वन्यजीव प्रेमी अभय कोचर ने कहा कि बालाघाट जिले में संरक्षित क्षेत्रों की तुलना में असंरक्षित क्षेत्रों में वन्यजीवों की संख्या अधिक है, लेकिन इसके बावजूद जिला स्तर पर वन्यजीव प्रबंधन को लेकर अधिकारियों को पर्याप्त प्रशिक्षण नहीं है। इसका सीधा असर वन्यजीवों की सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था पर पड़ रहा है।

कोचर ने यह भी आरोप लगाया कि जिले में जब भी किसी वन्यजीव की संदिग्ध मौत होती है, तो स्थानीय वन अमला जांच के लिए पेंच और कान्हा राष्ट्रीय उद्यानों पर निर्भर रहता है, जिससे जांच प्रक्रिया में देरी होती है और कई मामलों में सच्चाई सामने ही नहीं आ पाती।

पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ में शिकायत

वन्यजीवों की असमय और संदिग्ध मौतों को लेकर अभय कोचर ने पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ में औपचारिक शिकायत भी दर्ज कराई है। उन्होंने मांग की है कि जिले में एक मजबूत और प्रशिक्षित वन्यजीव जांच तंत्र विकसित किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसे मामलों का समय पर और निष्पक्ष खुलासा हो सके।

पहले भी नहीं सुलझे कई मामले

बालाघाट में यह पहला मामला नहीं है, जब वन्यजीवों की मौत का रहस्य बरकरार रह गया है। दक्षिण वनमंडल के कटंगी क्षेत्र में 12 दिसंबर को करंट लगने से एक सब-एडल्ट बाघ की मौत हो गई थी। इस मामले में आरोपी अब तक फरार हैं। इसके पहले लालबर्रा परिक्षेत्र के सोनवानी अभयारण्य में एक बाघ की संदिग्ध मौत और उसके शव को बिना निर्धारित प्रोटोकॉल के जलाए जाने का मामला भी काफी चर्चा में रहा था। उस प्रकरण में एक वन अधिकारी पर कांग्रेस विधायक को रिश्वत देने का आरोप लगा था, जिससे जिले की राजनीति भी गरमा गई थी।

प्रदेश में बर्फ जमा देने वाली सर्दी...खजुराहो सबसे ठंडा

प्रदेश के आधे हिस्से में कोहरा, कई ट्रेनें लेट, इंदौर में स्कूलों का समय बदला

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में घना कोहरा और तेज ठंड का असर बरकरार है। गुरुवार सुबह प्रदेश के अधिकांश शहरों में पारे में गिरावट देखी गई। छतरपुर का खजुराहो सबसे ठंडा रहा। यहां तापमान 3.2 डिग्री दर्ज किया गया।

सीहोर, छिंदवाड़ा, मुरैना में तो पौधों पर ओस की बूंदें बर्फ के रूप में जम गईं। इंदौर में कड़ाके की ठंड के चलते अब सुबह 9:30 बजे से पहले आठवीं तक की क्लासेस नहीं लगेंगी। कलेक्टर शिवम वर्मा ने ये आदेश जारी किए हैं।

कोहरे के कारण दिल्ली से भोपाल, इंदौर और उज्जैन आने वाली एक दर्जन से अधिक ट्रेनें निर्धारित समय से लेट हैं। मालवा एक्सप्रेस सुबह 7.25 बजे भोपाल आ जाती है, लेकिन यह अभी साढ़े 7 घंटे लेट बताई जा रही है।

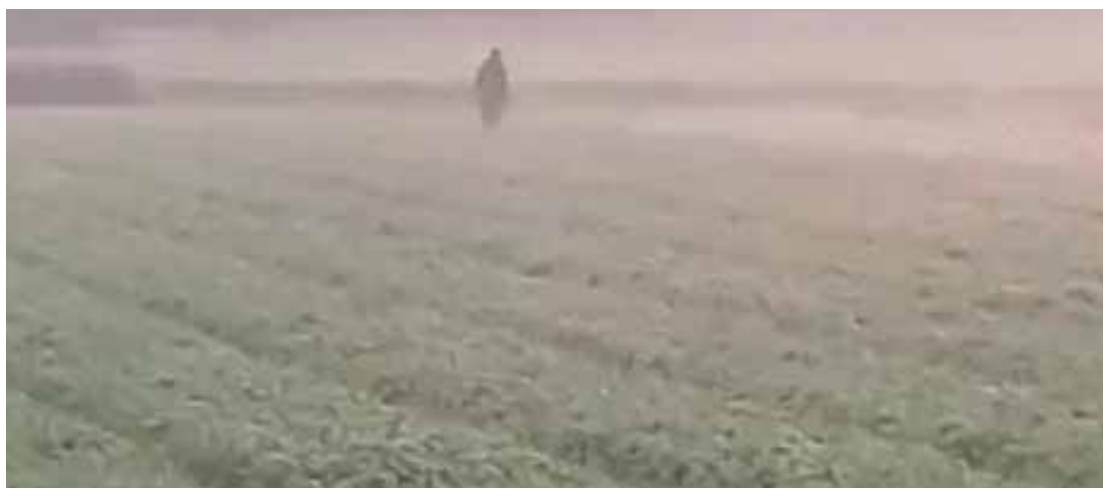

जनशताब्दी, सचखंड समेत अन्य एक्सप्रेस ट्रेनों की टाइमिंग पर भी असर पड़ा है। गुरुवार सुबह दतिया, खजुराहो, रीवा, सतना, रतलाम, नौगांव, सीधी, भोपाल, इंदौर, दमोह समेत 20 से ज्यादा जिलों में घना कोहरा रहा।

मौसम विभाग के अनुसार, जनवरी में ऐसी ही कड़ाके की ठंड पड़ेगी। 2-3 दिन के बाद असर और बढ़ जाएगा, क्योंकि हिमालय के ऊपर एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव है। जब ये आगे बढ़ेगा तो बर्फ पिघलने लगेगी और बर्फीली हवा की रफ्तार भी बढ़ जाएगी। रीवा में 4.1 डिग्री, दतिया में 4.2 डिग्री, नौगांव-शिवपुरी में 5 डिग्री, उमरिया में 5.4 डिग्री और पचमढ़ी में 5.8 डिग्री रहा। बाकी शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे ही दर्ज किया गया।

पीएचई का रिश्वतखोर ईई गिरफ्तार

कार में ड्राइवर के जरिए वसूल रहे थे डेढ़ लाख, लोकायुक्त ने धर दबोचा

सागर (नप्र)। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग में पहली दफा लोकायुक्त ने बड़ी कार्रवाई करते हुए विभाग के कार्यपालन यंत्री (ईई) को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। वे ड्राइवर के माध्यम से एक टेंडर से जुड़े बिलों के भुगतान के लिए छह लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। ड्राइवर के माध्यम से सरकारी गाड़ी में रिश्वत ले रहे थे।

लोकायुक्त से मिली जानकारी अनुसार सागर जिले के पीएचई विभाग के कार्यपालन यंत्री एसएल बाथम को लोकायुक्त पुलिस की टीम ने डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। एक बिहार के ठेकेदार से उन्होंने जल जीवन मिशन के पुराने काम शुरू कराने व बिलों के भुगतान के लिए 6 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। ठेकेदार पहली किश्त डेढ़ लाख रुपए लेकर पहुंचा तो उन्होंने अपने ड्राइवर फूल सिंह यादव के साथ उन्हें बाहर अपनी कार में भेज दिया। रुपए का लेनदेन कार के अंदर किया गया। इसी दौरान लोकायुक्त ने छापामाकर ड्राइवर को धर लिया।

बिहार के ठेकेदार पर लगातार दबाव बना रहे थे- जानकारी अनुसार ठेकेदार शैलेष कुमार निवासी बिहार ने जल जीवन मिशन के तहत सागर और केसली विकासखंड के गांवों में नल-जल योजना के अंतर्गत पाइप लाइन व पानी की टंकी का ठेका लिया था। निरीक्षण में कुछ कार्य अधूरे मिले थे। शैलेष तीन साल से इस योजना पर काम कर रहे थे। इधर नए ईई एसएल बाथम ने आने के बाद अधूरे निर्माण कार्यों को पुनः चालू कराने और पुराने बिलों का भुगतान कराने के एवज में छह लाख रुपए की मांग की थी। इसकी शिकायत ठेकेदार ने लोकायुक्त एसपी से की थी।

ईई को डर था, हाथ में पैसे नहीं लिए, ड्राइवर के साथ भेजा- लोकायुक्त एसपी ने मामले की जांच कराकर टीम गठित कर छापामार कार्रवाई के लिए प्लान किया था। बुधवार को ठेकेदार शैलेष को डेढ़ लाख रुपए लेकर पीएचई कार्यालय में ईई एसएल बाथम के पास रिश्वत देने भेजा था। ईई को डर था, इसलिए उन्होंने हाथ में रकम नहीं ली। उन्होंने अपने ड्राइवर फूल सिंह यादव को ठेकेदार के साथ कार में भेज दिया था। जैसे ही ड्राइवर ने रिश्वत की रकम ली तो लोकायुक्त टीम ने तत्काल रंगे हाथ धर दबोचा। इसके बाद टीम ने ड्राइवर के बयान के आधार पर ईई के चेंबर में पहुंचकर उनको भी हिरासत में लेकर कार्रवाई की है।

नाबालिग से दो दिन में दो बार रेप और गैंगरेप

सहेली घुमाने के बहाने नर्मदापुरम के जंगल में ले गई उसके भाई और दो लड़कों ने गलत काम किया

सिवनी मालवा (नप्र)। नर्मदापुरम जिले के सिवनी मालवा में एक नाबालिग लड़की से रेप और गैंगरेप का मामला सामने आया है। लड़की का आरोप है कि बुधवार को एक सहेली उसे जंगल में लेकर गई थी, जहां तीन लड़के मिले। इनमें से एक सहेली का भाई था। आरोपियों ने पहले उसे दो गोलियां मिलाकर कचौरी खिलाई। इसके बाद तीनों ने रेप किया।

नाबालिग का आरोप है कि सहेली उसे दो दिन पहले सोमवार को भी घुमाने ले गई थी, तब उससे रेप किया गया था। मामले का खुलासा तब हुआ, जब बुधवार रात लड़की को प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद लड़की को नर्मदापुरम जिला अस्पताल ले जाया गया है।

सहेली ने भाई समेत तीन लड़कों को बुलाया था पीड़ित ने पुलिस को बताया कि बुधवार दोपहर करीब ढाई बजे एक सहेली उसे घुमाने की बात कहकर महुआ ढाना के पास के जंगल में ले गई। यहां पहले से तीन लड़के और एक लड़की मौजूद थे।

पीड़िता के मुताबिक पहले कचौरी में मिलाकर दो गोलियां खिलाईं। इसके बाद मुझे घबराहट महसूस होने लगी। तीनों लड़कों ने गलत काम किया। एक लड़के का नाम अल्लू है। वह मेरी सहेली का भाई है और गैरेज पर काम करता है। बाकी दो लड़कों को वो नहीं जानती।

वारदात के बाद सहेली मुझे गाड़ी से सिवनी मालवा के जयस्तंभ चौक तक लेकर आई। यहां मुझे छोड़ दिया। मैंने फोन करके परिचितों को बताया। इसके बाद बेहोश हो गई थी। शाम को अस्पताल लेकर गए।

सोशल मीडिया पर लिखा- इंदौर में हुई मौतों की जांच हाईकोर्ट जज से कराएं

प्रभारी मुख्यमंत्री से कोई सवाल क्यों नहीं पूछ रहा : दिग्विजय

भोपाल (नप्र)। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में गंदा पानी पीने से 20 लोगों की मौत के मामले ने अब सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के फेसबुक पोस्ट और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के पत्र ने सरकार और प्रशासन को कठघरे में खड़ा किया है। कांग्रेस ने इसे सिर्फ प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि संस्थागत अपराध करार दिया है।

प्रभारी मुख्यमंत्री क्यों चुप हैं?- दिग्विजय सिंह ने भावुक लेकिन सख्त शब्दों में लिखा कि इंदौर उनका बचपन का शहर है, राज्य की आर्थिक राजधानी है और देश का सबसे स्वच्छ शहर भी। ऐसे शहर में गंदा पानी पीने से 20 मौतें होना 'शहर के माथे पर कलंक' है।उन्होंने आरोप लगाया कि जब तक मौतों का आंकड़ा 2-4 रहा, तब तक सिस्टम सोता रहा। जैसे ही मौतें बढ़ीं,

जिम्मेदारी की टोपी एक-दूसरे को पहनाई जाने लगी। मंत्री अफसरों पर, अफसर मेयर पर और मेयर व्यवस्था पर दोष डालते रहे।

सीएम हर दूसरे दिन इंदौर आते हैं फिर मुआवजा देकर चुप क्यों- दिग्विजय सिंह ने सीधा सवाल किया कि मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश (प्रभारी मुख्यमंत्री) हर दूसरे दिन इंदौर आते हैं, लेकिन सिर्फ मुआवजा देकर चुप क्यों हो गए? उन्होंने कहा कुछ ट्रांसफर और मुआवजे से न तो जान लौटती है और न ही शहर का कलंक धुलता है।

हाईकोर्ट के सिटिंग जज से जांच की मांग- पूर्व मुख्यमंत्री ने मांग की है कि पूरे मामले की न्यायिक जांच हो। हाईकोर्ट के सिटिंग जज से जांच कराई जाए। पब्लिक हियरिंग हो। दोषियों की पहचान कर उन्हें सजा दी जाए। दिग्विजय का कहना है कि गलतियों पर पर्दा डालना नहीं, जिम्मेदारी तय करना ही इंसाफ है।

छतरपुर का 'अजीब' ट्रायंगल, पति बोला- दोनों बीवियों से प्यार है

छतरपुर (नप्र)। जिले के सूरजपुर गांव में एक दिव्यांग महिला हेमलता साहू ने अपने पति राकेश साहू और ससुराल पक्ष पर घरेलू हिंसा, मारपीट और बिना तलाक के दूसरी शादी करने का गंभीर आरोप लगाया है। हेमलता का दावा है कि शादी के कुछ समय बाद ही ससुराल वालों ने दो लाख रुपये की मांग शुरू कर दी, जिसे पूरा न करने पर उसके साथ मारपीट की गई और बीमारी के दौरान संदिग्ध दवा खिलाई गई, जिससे उसकी आंखों की रोशनी चली गई। दिव्यांग होने के बाद उसे घर से निकाल दिया गया और पति ने एक लाख रुपये में राजकुमारी नाम की महिला से दूसरी शादी कर ली।

ससुरालियों की खिलाई दवा से गई आंखें- हेमलता के अनुसार, 2021 में सूरजपुरा निवासी राकेश साहू से उनकी शादी हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही ससुर कल्लू साहू, सास हल्की बाई उर्फ प्यारी बाई और मामा ससुर कल्लू ने दो लाख रुपये की मांग शुरू कर दी। हेमलता का आरोप है कि मांग पूरी न होने पर उसे प्रताड़ित किया गया और बीमारी के समय उसे

कोई ऐसी चीज खिलाई गई, जिससे उसकी आंखों की रोशनी 99 प्रतिशत तक चली गई।

धोखे से लगवा लिया अंगूठा- पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि पति ने बिना तलाक लिए एक लाख रुपये में राजकुमारी नाम की महिला को लाकर दूसरी शादी कर ली। अगस्त में समझौते के बहाने बुलाकर दोबारा मारपीट की गई, जिससे उसे गंभीर चोट आई। हेमलता का कहना है कि पति और दूसरी महिला ने उसके अंधेपन का फायदा उठाते हुए नोटरी करवाई थी। नोटरी दस्तावेज में यह लिखा है कि हेमलता अपनी सहमति से पति की दूसरी शादी करवा रही है। हेमलता का आरोप है कि उससे धोखे से दस्तावेजों पर अंगूठा लगवाया गया और वह कानूनी प्रक्रिया से अनजान थी।

दूसरी पत्नी को कोई परेशानी नहीं- वहीं, दूसरी पत्नी राजकुमारी का दावा है कि इस प्रक्रिया में तीनों की सहमति थी और लिखित दस्तावेज तैयार किया गया था। राजकुमारी का कहना है कि शुरुआत में वे सभी मिल-जुलकर शांतिपूर्वक रह रहे थे। एक दिन हेमलता के पिता आए और उसे अपने साथ मायके ले गए। शादी से पहले उसने करीब 15 दिन तक हेमलता से लगातार बातचीत की थी और स्पष्ट रूप से पूछा था कि वह अपने पति की शादी उससे क्यों करवा रही है। इस पर हेमलता ने कहा था कि यह उसकी अपनी इच्छा है, क्योंकि उसे दिखाई नहीं देता, कोई काम नहीं कर पातीं और पति भी परेशान रहते हैं। हेमलता ने कहा था कि दूसरी शादी से उसकी सेवा भी हो जाएगी और पति को भी सहारा मिल जाएगा।

दूसरी पत्नी करती थी सेवा

राजकुमारी का दावा है कि हेमलता की चाय-नाश्ता, खाना-पानी देना, नहलाना, कपड़े धोना और हर तरह से देखभाल करना वह खुद करती थी। इसके बावजूद अब उस पर आरोप लगाए जा रहे हैं। राजकुमारी ने कहा कि कोर्ट मैरिज और नोटरी की लिखा-पढ़ी भी तीनों की सहमति से कराई गई थी, फिर भी अब उसके साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। राजकुमारी ने कहा कि उसे पति के लिए नहीं, बल्कि उसकी पहली पत्नी हेमलता की सेवा के उद्देश्य से घर लाया गया था। उसका दावा है कि उसने इस जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभाया और अपने वचनों पर कायम रही।

पुलिस कर रही मामले की जांच

मामले को लेकर सीएसपी छतरपुर अरुण सोनी ने बताया कि थाना बमीठा क्षेत्र से एक शिकायत मिली है। शिकायत में पत्नी हेमलता ने आरोप लगाया है कि दिव्यांग होने के बाद उसके पति ने दूसरी शादी कर ली और उसे घर से निकाल दिया गया। पुलिस शिकायत का सत्यापन कर रही है। सीएसपी ने स्पष्ट किया कि इस तरह के मामलों में स्टांप या नोटरी पर की गई लिखा-पढ़ी कानूनी रूप से वैध नहीं मानी जाती। जांच के दौरान यह देखा जाएगा कि वास्तविक स्थिति क्या है और किन परिस्थितियों में यह लिखा-पढ़ी की गई थी। सीएसपी अरुण सोनी ने बताया कि मामले की जांच कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।